मुकदमा

इस दोपहर बाद, वचन में से पढ़ने के लिए, मरकुस की पुस्तक में से, मरकुस का 16वां अध्याय। और मैं चाहता हूं कि आप अपनी बाईबल के साथ खड़े हो जाए, जैसे कि हम परमेश्वर का वचन पढ़ते हैं। मरकुस 16, 9वें पद से आरंभ करके।

> *अब सप्ताह के पहले दिन भोर होते ही वह जी उठकर, पहिले मरियम मगदलीनी* को, *जिसमें से उसने सात दुष्टात्मायें निकाली थी दिखाई दिया।*
>
> *और उसने जाकर उसके साथियों को जो शोक में डूबे हुए थे और रो रहे थे, समाचार दिया।*
>
> *और उन्होंने, यह उन्होंने यह सुनकर कि वह जीवित है, और उसने उसे देखा है, प्रतीति ना की।*
>
> *इसके बाद वह दिखाई दिया,* दूसरे रूप में, दो को... (मुझे क्षमा करें।)
>
> *इसके बाद वह दूसरे रूप में उन में से दो को जब वे गांव की ओर जा रहे थे, दिखाई दिया।*
>
> *उन्होंने भी जाकर औरों को समाचार दिया: परन्तु उन्होंने उन की भी प्रतीति ना की...*
>
> पीछे, *वह उन ग्यारहों को भी, जब वे भोजन करने बैठे थे दिखाई दिया, और उनके अविश्वास और मन की कठोरता पर उलाहाना दिया, क्योंकि जिन्होंने उसके जी उठने के बाद उसे देखा था, उन्होंने उनकी प्रतीति ना की थी।*

2 क्या यह आज का चित्र नहीं है! वे विश्वास नहीं करते कि आप ऐसे गवाह हैं।

> *और उसने उन से कहा, तुम सारे जगत में जाकर, सारी सृष्टी के लोगो को सुसमाचार प्रचार करो।*
>
> *जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा; परन्तु जो विश्वास ना करेगा, वह दोषी ठहराया जाएगा।*

3 यह रेखा खींचता है, इधर या उधर।

और विश्वास करने वालों में यह चिन्ह होंगे; कि वे मेरे नाम से दुष्ट आत्माओं को निकालेंगे; वे नई–नई भाषा बोलेंगे;

सापों को उठा लेंगे; और यदि वे नाशक वस्तु भी पी जाए, तो भी उनकी कुछ हानि ना होगी; वे बीमारों पर उनके *हाथ रखेंगे,... और वे चंगे हो जाएंगे।*

निदान प्रभु यीशु उन से बातें करने के बाद, स्वर्ग पर उठा लिया गया, और परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।

और उन्होंने निकल कर,... हर जगह प्रचार किया, *और प्रभु उनके साथ काम करता रहा,... और उन चिन्हों के द्वारा जो साथ–साथ होते थे वचन को दृढ करता रहा। आमीन।*

आइये हम अपने सिरों को झुकाये।

4 प्रभु, हम यह विश्वास करते हैं कि यह कलीसिया के लिए अंतिम प्राधिकार है। हम विश्वास करते हैं कि वचन देहधारी हुआ था और हमारे मध्य में वास किया। और हम विश्वास करते हैं कि कोई भी व्यक्ति अपने वचन से अधिक अच्छा नहीं है, इसलिए हम विश्वास करते हैं कि आप यह वचन है। और हम विश्वास करते हैं कि यह आप है, जो कल, आज और सर्वदा एक सा है। हे पिता परमेश्वर, आज, हमारे पास वचन के रूप में आए, और लोगो को यह देखने दे कि आप जीवित हो उठे मसीह है, और जिस रूप में आपने अंतिम दिन के लिए कहा कि आप प्रगट हुए वचन में जी उठे है। जब आप पृथ्वी पर थे, तब आप भविष्यवाणी का वचन थे, जो मनुष्य के रूप में प्रगट हुआ। और वचन की आज के दिन के लिए भविष्यवाणी हुई। प्रभु यीशु आए, और आज वचन को हमारे पास लाए। अपने वचन का स्वयं से अनुवाद करें, ताकि हमारे पास "ना बोल सकने वाला आनंद हो और महिमा से भरा हुआ।" इतना ही नही कि हमने आपको सुखकर पाया, और आपके वचन को सच्चा पाया और अपने हृदयों में पुष्टि कर ली है, कि हम मृत्यु से पार होकर जीवन में आ गए हैं।

5 हम सब जो उस अदन की वाटिका के वृक्ष से जन्मे हैं, जिसे छूना मना था, वह स्त्री, क्योंकि उसमें कोई जीवन नहीं है; वह केवल एक अंडा है। जीवन पुरुष में से आता है, जो कि मसीह है। और हम स्त्री से जन्मे हैं,

और, जैसा कि बाईबल बताती है, "हम कुछ ही दिनों के, और दु:ख और कष्ट से भरे हुए है।"

6 पिता, हम भी जीवन देने वाले पुरुष से जन्मे हैं। नर, नारी के पास आता है, और जीवाणु नर से आता है; जैसे की आपके आत्मा ने कुंवारी पर छाया की, और उसके गर्भ में लहू की कोशिका सिरजी गई; लहू की कोशिका, ना कि यहूदी, ना अन्यजाति, परन्तु परमेश्वर, सृजा हुआ लहू। उस लहू में, हमारी अपनी आशाये है। यह स्त्री का नहीं था, ना ही पुरुष का; यह परमेश्वर का था।

7 इसलिए प्रभु हम प्रार्थना करते हैं, जैसे कि हम स्वयं को नारी–वृक्ष का भागी देखते है, और हम सब को मरना है क्योंकि अब भी स्त्री में जीवन नहीं है, अब भी, पिता, हमें सौभाग्य दिया गया है कि हम पुरुष–वृक्ष के भागी हो जाए, जो कि मसीह था। और अब, हमारे पास उसके द्वारा जीवन है, जीवन, वचन, हमारे मध्य में जीवन बना। प्रभु, इसे प्रदान करे, कि ये बातें हमारे मध्य कलीसिया के लिए वास्तविकता हो जायेगी, कि वे देखेंगे, और हम समझ जायेंगे वह घड़ी जिसमें हम रह रहे हैं।

8 बीमारों और अपहिजो को चंगा करें। होने पाए इस दोपहर बाद हमारे मध्य में कोई भी दुर्बल व्यक्ति ना हो, जब यह सेवा समाप्त हो। होने पाए लोगों के बीच में ये लंबे समय तक याद किया जाए! होने पाए आपके दास, वे—वे पास्टर, वे चरवाहे, इतने प्रेरित हो जाए इतना तक कि उनकी कलीसियाए जब तक कायापलट ना हो जाएगी और महान सेवाए हो, और पुराने रीति की बेदारी उनके नगर में आरम्भ हो जाए, उनके मध्य, जो कि सारे प्रांत और राष्ट्र में छा जाए, और यहां तक कि समस्त संसार में। इसे प्रदान करें, प्रभु। इस प्रार्थना की कुंजी आपके हाथो में हैं। हम प्रार्थना करते है कि हमारी सहायता करे, हम यह प्रार्थना यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

आप बैठ सकते हैं।

9 परमेश्वर अवश्य ही पृथ्वी पर न्याय को लायेगा। और परमेश्वर का यहां कुछ होना चाहिए, एक मानदण्ड, जिसके द्वारा संसार का न्याय किया जाए, परमेश्वर में, क्योंकि संसार का न्याय करना अन्याय होगा कि संसार ना जाने कि किस मानदण्ड से चलना है। कितने यह विश्वास करते हैं कि यह सत्य है? यदि कलीसिया ही मापदण्ड है, तो कौन सी वाली है? वचन, परमेश्वर ने कहा कि वह यीशु मसीह के द्वारा संसार का न्याय करेगा।

वह वचन है। "आदि में वचन था, वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच वास किया।" "कल, आज और सर्वदा एक सा है।"

10 अब मैं आज दोपहर बाद आपसे बहुत ही अनूठे विषय पर बोलना चाहता हूं, जो कि आपके लिए हो सकता है। परन्तु, इस विषय में, मैं अपने प्रभु को एक—एक प्रकार के मुकदमे पर रखने जा रहा हूं। मैं नहीं सोचता कि पिलातुस की कचहरी में उसका सही मुकदमा चला। मैं—मैं विश्वास नहीं करता कि उसका—उसका सही मुकदमा हुआ, इसलिए उन्होंने उसमें दोष पाया, और उसे दोषी ठहरा कर क्रूस पर चढ़ाया। परन्तु हम आज दोपहर बाद जैसे कि इस मुकदमे में यह करने जा रहे हैं।

और आप कहते हैं, "उस पर आप मुकदमा चला सकते हैं? "

11 यदि वह वचन ही बना रहता है, हम उस पर मुकदमा कर सकते हैं, क्योंकि वह अब भी वचन है। और हम उस पर मुकदमा कर सकते हैं। और इस दोपहर बाद मैं इस कचहरी में यह देखना चाहता हूं, जैसे कि यह भवन उस कोर्ट या कचहरी को दर्शाता है, कि हम देखना चाहते हैं कि उस पर मुकदमा चला, कि यह उसके पक्ष में या विरोध में है। हम दोनों ओर से चाहते हैं। और फिर, इस मुकदमे में, मैं उसकी न्यायिक जांच करना चाहता हूं, जो कि वचन है।

12 अब, यह वचन जिसे मैंने अभी पढ़ा, मरकुस का 16वां अध्याय, यहां तक कि डॉक्टर स्कोफिल्ड यहां कहता है, "यहां 9वे पद से आगे, ये दो पुराने हस्तलेखो में नहीं मिला।" लोगों में यह साधारणत: विश्वास है कि हमारे शिक्षक जो इसका इस प्रकार से विश्वास करना चाहते हैं, कि यह वेटिकन के द्वारा इसमें डाला गया है।

13 लेकिन मैं पाता हूं कि इरेनियस और बहुत से आरम्भ के लेखको के द्वारा मरकुस 16 का उल्लेख किया गया हैं। जैसा कि आप दूसरे लोग जिन्होंने इतिहास का अध्यन किया है, बाईबल के इतिहास का वे उन आरम्भ के चेलो को जानते हैं, और यीशु की मृत्यु के पश्चात भी, और जब पोलीकार्प, और इरेनियस, और संत मार्टिन, और संत कोलंबा, और वे सारे, इस मरकुस 16 का फिर उल्लेख करते है। इसलिए इसे विश्वासनिय होना चाहिए, या फिर वे इसका उल्लेख कभी नहीं करते। और इतिहास के अनुसार संत यूहन्ना वह था जिसने पत्रियों को एक साथ लगाया, और पॉलीकार्प परम

मित्र जिसने इतिहास के अनुसार, यह करने में सहायता की।

14 अब हम यह पाते हैं आज वे इसका विश्वास नहीं करते। वे परमेश्वर की वास्तविकता से अलग रहना चाहते है कि परमेश्वर वास्तविक हैं; बजाए, इस घोषणा या धर्म–मत के। वास्तविक परमेश्वर, यह अध्याय इसे प्रमाणित करेगा, और हर प्रमाण जो वे पा सकते है।

15 विशेष महान शिक्षक के समान, सूडान मिशन के अध्यक्ष, वहां मेरी पत्नी उपस्थित थी जब वह मेरे पास आया, पेरिस रीडहेड। और उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, मैं समझता हूं कि आप एक बैपटिस्ट थे।"

मैंने कहा, "जी हां, श्रीमान, यह ठीक बात है।"

16 और उसने कहा, "अच्छा," कहा, "मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं।" उसने कहा, "जब मैं छोटा लड़का था," कहा कि, "मुझे एक अनुभव हुआ था। और मेरी माँ कपड़े धोये और सब कुछ किया, कि मुझे विद्यालय भेजे। और मैंने सोचा, निश्चय ही, कि जब मुझे मेरा बी. ए. मिला, कि मैं मसीह को पा लूंगा।" उसने कहा, "जब वह मुझे दिया गया, तो मुझे नहीं मिला। जब मुझे मेरी डॉक्टर की उपाधि मिली, मैंने सोचा कि मैं इसे पा लूंगा। जब मैंने अपना एलएलडी पाई, मैंने सोचा कि मैं यह पा लूंगा।" उसने कहा, "भाई ब्रंहम, मेरे पास पर्याप्त डिग्रियां, या उपाधियां है, दोनों वास्तविक और— वास्तविक और सम्मानित वाली, मैं आपकी दीवारों को उनसे ढांप सकता हूं। परन्तु बाईबल का परमेश्वर कहाँ है? " उसने कहा, "क्या शिक्षक गलत थे? "

मैंने कहा, "मैं यह कहने वाला कौन हूं कि शिक्षक गलत थे? "

17 उसने कहा, "तो, यही है जो मैं समझता हूँ, कि आप पेंटीकोस्टल हो गए।"

18 और मैंने कहा, "भाई, मैं यह नहीं कहता कि मैं... मैं यह विश्वास करता हूं, कि जब मैं परमेश्वर के राज्य में जन्मा, मैं स्वत: ही पेंटीकोस्टल था," मैंने कहा, "क्योंकि पेंटीकोस्टल कोई संगठन नहीं है। उन्होंने इसे बनाने का यत्न किया, परन्तु यह नहीं हुआ। परमेश्वर भरेगा, आप जो भी है प्रेस्बिटेरियन, लूथरन। देखा, इसलिए कि यह एक अनुभव है, और संगठन नही है। आप इसे संगठित नहीं कर सकते। यह एक अनुभव है।"

19 और उसने कहा, "भाई, मैं आपको बताना चाहता हूं कि क्या घटित हुआ।" उसने कहा, "भारत से, इन दिनों में, वे लोगों को यहां अपनी

शिक्षा पाने के लिए भेज रहे हैं।" कहा, "हमारे विद्यालय में, एक अच्छा भारतीय लड़का था जो यहां आया और अपनी शिक्षा पाई। और जब वह वापस गया... " मैं सोचता हूं उसे जाना ही था, मैं सोचता हूं, बिजली का इंजीनियर या कुछ। उसने कहा, "परन्तु जब हम... "

20 उनका भी भाई ओरल रॉबर्ट्स जैसा विद्यालय यहां पर है। वे इंजीनियरिंग या जो भी पढ़ाते है।

21 इस प्रकार उसने कहा, "दूसरे सेवक के साथ वापस जाते हुए, उससे कहा, 'अब, वापस भारत जाते हुए... '" और आप जानते हैं कि वे— वे भारतीय मोहम्मद की आराधना करते हैं। और उसने कहा, "तुम क्यों नही अपने पुराने भविष्यव्यक्ता को छोड़ देते हो, और जीवित हो उठे प्रभु यीशु को ग्रहण कर लो; और अपने साथ भारत एक वास्तविक परमेश्वर को लेकर जाओ, अपने लोगों को बताओं? '"

22 उसने कहा, "श्रीमान," उसने कहा, "आपका प्रभु यीशु मेरे लिए क्या कर सकता है, उससे अधिक जो मेरा भविष्यवक्ता कर सकता है? "

23 और उसने कहा, "भाई, मेरा प्रभु यीशु तुम्हे अनंत जीवन दे सकता है। वचन में यह प्रतिज्ञा है।"

24 उसने कहा, "मेरे मोहम्मद भविष्यव्यक्ता ने, यही प्रतिज्ञा अपने शब्दों में की है।"

25 और उसने कहा, "भाई, आप देखिए," उसने कहा, "मेरा प्रभु यीशु मृतको में से जी उठा। और तुम्हारा भविष्यव्यक्ता कब्र में है।"

26 उसने कहा, "क्या मृतको में से जी उठा? " उसने कहा, "तुम्हे यह सिद्ध करने के लिए दो हजार वर्ष थे, और संसार के अस्सी प्रतिशत ने इस विषय में कभी नहीं सुना।" उसने कहा, "मोहम्मद को मृतको में से जीवित हो जाने दो, और सारा इसे संसार चौबीस घंटों में जान जाएगा।"

27 अब, उसने कहा, "अच्छा, देखिए," उसने कहा, "यीशु मृतको में से जी उठा है।" कहा, "मैं सिद्ध कर सकता हूं कि वह मेरे ह्रदय में वास करता है," उस मसीही ने कहा।

28 और मुसलमान ने कहा, "और, श्रीमान, मोहम्मद मेरे ह्रदय में वास करता है।"

उसने कहा, "परन्तु, आप देखिए, हमारे पास सामर्थ और आनंद है।"

29 उसने कहा, "श्रीमान, मुसलमान धर्म भी वैसा ही मनोविज्ञान उत्पन्न कर सकता है जैसा मसीही कर सकते है।" और यह सत्य है।

30 मैंने देखा है वे सड़क पर लेटते और "अल्लाह," चिल्लाते है और ऐसी स्थिति में आ जाते है, वे ले सकते थे... बिली और मैंने खड़े हो कर देखा कि एक पुरुष ने तलवार अपने हृदय के नीचे से आर–पार छेदी; और एक डॉक्टर वहां उठा और उसमें आर–पार पानी डाला, और आ गया; उसे वापस खींचा, और कुछ नहीं हुआ। उन्हें पतली फांसे ली, और अपने नाखूनों के नीचे घुसा दी और आर–पार कर दी, और अपनी नाक में से कांटे आर–पार घुसाए, और कभी भी महसूस नहीं किया या लहू की बूंद निकली। वे मसीहत से अधिक मनोविज्ञान उत्पन्न कर सकते हैं।

31 और श्रीमान रीडहेड ने मुझसे कहा, कहा, "मुझे मालूम था कि मैं किसी कल के लड़के से बात नहीं कर रहा हूं। और उसने कहा, 'हम मुसलमान प्रतीक्षा कर रहे हैं।'"

32 जैसे उन्होंने हमारे बहादुर भाई बिली ग्राहम के साथ किया, आप इसे अखबार में पढ़ते है, जब मुसलमान श्रीमान ग्राहम के पास आए, और कहा, "आप तीस बीमार लोगों को ले, और मैं तीस बीमार लोगों को लूंगा; और आप अपने उन तीसों को चंगा करना, और मैं अपने तीस मोहम्मद के द्वारा चंगे करूंगा," देखिए, श्रीमान ग्राहम दृश्य से भाग गए। वह उसे उत्तर नहीं देंगे।

33 मैं विश्वास नहीं करता कि मैं यह करता। मैं इब्रानी बालकों के समान होता, "हमारा परमेश्वर हमें इससे छुड़ाने के योग्य है।" क्यों नही उसने ओरल रॉबर्ट्स यह किसी को बुलाने के लिए भेजा? यदि वह यह विश्वास नहीं करता, किसी और को बुलवा भेजता जिन्होंने इसका विश्वास किया है। परन्तु, आप देखिए, नामधारियों के द्वारा, ओह, वे उसे तब ही बाहर कर देंगे। उसके पास करने को कार्य है।

34 जो भी हो, तब उसने कहा, "जब हम, वहां भारत में, आपको देखते है आप—आप मसीही वही प्रगट करे जो यीशु ने कहा कि तुम करोगे," कहा, "तब हम आपका विश्वास करेंगे।" उसने कहा, "उसने कहा वह मृतको में से जी उठा है, और लोग इसे जान जायेंगे क्योंकि आप उन्हीं कामों को करेंगे जो उसने किए।"

"अच्छा," उसने कहा, "हम उससे बढकर करेंगे।"

35 उसने कहा, "मैंने अधिक 'बढकर' नही कहा। मैं बस उन कामों को देखना चाहता हूं जो उसने पहले किए।" आप क्यों बात करते हैं, आप जानते हैं आप किसी मामूली व्यक्ति से कोने में बात नहीं कर रहे हैं, जब आप उनमें से किसी से बात करते हैं–... उनसे और उनके धर्मज्ञानियो से। इसलिए उसने कहा, "हम उन्हीं कार्यों को देखना चाहते हैं जो उसने किए।"

"ओह," उसने कहा, "संभवत: आप मरकुस 16 का उल्लेख कर रहे हैं? "

36 उसने कहा, "जी हां, श्रीमान। यह उसी में से एक है, उसकी कलीसिया को अंतिम आदेश।"

37 उसने कहा, "अच्छा, अब, आप देखिए," कहा, "बहुत सारे लोग इस अध्याय का हठधार्मिकता से विश्वास करते हैं।" उसने कहा, "परन्तु हमने सीखा है, विद्यालय में अच्छे ज्ञानियों से, कि मरकुस 16, 9वें पद से आगे, वास्तव में प्रेरणा से नहीं है।"

38 उसने कहा, "क्यों, श्रीमान रीडहेड!" उसने कहा, "तो फिर कौन सा भाग प्रेरणा से है? " उसने कहा, "सम्भवत: बाकी सब भी प्रेरणा से ना हो। सारी कुरान प्रेरणा से है। आप किस प्रकार की पुस्तक पढ़ते हैं, बाईबल कहलाती है? "

39 उसने कहा, "मैंने अपने ह्रदय में निश्चय किया कि मैं आपसे बात करने आ रहा हूं। जी हाँ, मैं आपसे बात करने जा रहा था।"

40 आप ऐसी ही स्थिति में है। यदि *यह* प्रेरणा से नहीं है, तो फिर बाकी के लिए क्या है?

41 इस से मुझे शिकागो की एक महिला याद आ गयी। उसका लड़का एक धर्म विद्यालय में गया, कि शिक्षा पाकर सेवक हो जाए, किसी बाईबल विद्यालय और धर्म विद्यालय। और जब वह बाहर था, तो बूढ़ी मां बहुत ही बीमार हो गई। और इसलिए उन्होंने लड़के के पास संदेश भेजा कि अपनी मां के 'पास जाने' को तत्पर रहे उसे बहुत बुखार है, उसे निमोनिया था, और कहा कि (माँ) की यह—यह एक आपातकालीन बुलाहट हो सकती है। इसलिए लड़के ने कपड़े बांधे और तैयार हो गया। अंतत:, अगले दिन, उसने सारी रात्री में कुछ सन्देश नहीं सुना, और अगले दिन, बताया, "सब ठीक है।"

42 इस प्रकार, एक वर्ष बाद, वह विद्यालय से पूर्व में है लौटा, शिक्षा का कोई बड़ा विद्यालय था। और वह घर आया और उसने मूल्यवान मां को अभिवादन किया, और उसने कहा, थोड़ी देर बात करने के पश्चात, कहा, "माँ, मुझे कभी अवसर नही मिला कि आपसे पूछू कि क्या हुआ था।" कहा, "एक रात उन्होंने मुझसे कहा कि 'तैयार रहो', और अगली प्रात:, कहा कि आप 'ठीक है।'" कहा, "उस—उस डॉक्टर ने कौन सी दवा का प्रयोग किया? "

कहा, "प्रिय, डॉक्टर ने कुछ भी प्रयोग नहीं किया।"

उसने कहा, "अच्छा, आपने यह कैसे किया? "

43 कहा, "तुम्हे मालूम हैं नीचे एक छोटा मिशन है वहाँ घुमाव पर... भवन समूह है ना, वहां चौक पर? "

"हाँ।"

44 कहा, "वहां एक महिला थी। उनकी वहां पर प्रार्थना सभा थी एक रात्री, इस छोटे से मिशन में, उन निर्धन बेचारे छोटे नम्र लोगों के झुंड में, और," कहा, "उनमें से एक को प्रेरणा मिली कि यहां आकर मुझे देखे। और दो स्त्रियां आईं, और उन्होंने मुझसे पूछा कि हम अपने सेवकगण को यहां ला सकते हैं और—और मेरे लिए प्रार्थना करे, और तेल से मेरा अभिषेक करें, और—और," कहा, "उनके हाथ मेरे ऊपर रखें, ताकि मैं चंगी हो सकूं।" और कहा, "तुम जानते हो, मैंने उन से कहा, 'निश्चय ही।' और वे अपने पास्टर को ले आए, और उसने अपने हाथ मुझ पर रखे, और प्रार्थना की।" और कहा, "प्रिय, और उसने बाईबल में से पढ़ा, मरकुस का 16वां अध्याय कहा, 'विश्वास करने वालो के यह चिन्ह होंगे।'" और कहा, "क्या आप जानते हो? अगली प्रात:, डॉक्टर इतना परेशान था, वह नहीं जान पाया कि क्या करे। मुझ में बुखार नहीं था।"

45 "ओह," उसने कहा, "मां, आप ऐसे झुण्ड के साथ मत सम्बन्ध रखो, क्या आप? " कहा, "देखिए," उसने कहा, "हमने विद्यालय में सीखा है, कि मरकुस 16, 9वें पद से, ये प्रेरणा से नहीं है।"

उसने कहा, "परमेश्वर की स्तुति हो!"

46 "क्यों," उसने कहा, "माँ, आप उन लोगों के समान कर रही है।"

47 उसने कहा, "मैं अभी कुछ सोच रही थी।" कहा कि, "मैं बाईबल को एक सिरे से पढ़ रही थी, और दूसरी प्रतिज्ञायें दूसरी जगहों में भी, इसी प्रकार से है।" और कहा, "मैं बस सोच रही थी, यदि परमेश्वर मुझे बिना प्रेरणा वाले वचन से चंगा कर सकता है, तो जो वास्तव में प्रेरणा से है उससे क्या करेगा? " यह ठीक बात है।

48 मेरे लिए, यह सारा प्रेरणा से भरा हुआ है। परमेश्वर ने मुझे इस भरोसा करने के लिए विश्वास दिया है और इसकी पुष्टि की है!

49 अब हम इसे कुछ मिनटों में बदलने जा रहे हैं, एक कचहरी के केस में। अब, स्मरण रखें, हम कचहरी के कमरे में जा रहे हैं, वहां यीशु, परमेश्वर को दृश्य में लाने के लिए, और उसे एक सही मुकदमा देने। वह अब भी वचन है यहां तक कि आज भी, (क्या आप इसका विश्वास करते हैं?), ठीक वैसे ही जैसे वह तब वचन था। [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

50 अब, यह मुकदमा, इसका कारण, परमेश्वर के उस—उस वचन की प्रतिज्ञायें संसार के विरुद्ध में। अब सही तैयारी से बैठ जाए, या फिर आप इसे कभी भी नहीं समझ पायेंगे। इस अभियोग का कारण, प्रतिज्ञा का तोड़ना, "परमेश्वर अपने वचन को पूरा नहीं कर रहा है।" यह प्रतिज्ञा को तोड़ना है। आप जानते हैं यह क्या है।

51 अब, आप हमेशा पाते हैं कि मुकदमा चलाने वाले वकील को राज्य का प्रतिनिधित्व करना होता है, मैं विश्वास करता हूं कि यह ठीक बात है, मुकदमा लड़ने वाला वकील। यदि यहां पर वकील बैठा हुआ है, मुझे आशा है मैंने यह ठीक लिया है। मुकदमा करने वाला वकील राज्य का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए इस मुकदमें में मुकदमा करने वाला वकील शैतान है, परमेश्वर के वचन पर मुकदमा कर रहा है।

52 इस वचन का बचाव पक्ष करने वाला, परमेश्वर स्वयं है, क्योंकि वह वचन है।

इस मुकदमे के बचाव पक्ष का गवाह, पवित्र आत्मा है।

53 और इस दोपहर को उस—उस वकील के पास कुछ गवाह है। और ये गवाह, उनमें से एक, श्री अविश्वासी है, अगला वाला श्रीमान संदेहवादी है, और अगला वाला श्रीमान बेसब्र। ये मंच पर लाए जायेंगे, और शपथ लेंगे, और परखे जायेंगे।

54 अब आपको कचहरी की व्यवस्था मिल गई, परमेश्वर संसार के द्वारा दोषी ठहराया गया है, क्योंकि, "वह अपने वचन पर बना नहीं रहता।" और मुकदमा करने वाला वकील राज्य का प्रतिनिधित्व करता है, जो कि संसार को दर्शाता है। और मुकदमे का वकील शैतान है, जो कि वचन के सही होने का इन्कार करता है।

55 और मुकदमा करने वाला वकील, अपनी गवाही में परमेश्वर के वचन के विरुद्ध तीन गवाहों को लाता है। और यह सिद्ध करने के लिए, इस दोपहर बाद वह यह सिद्ध करने जा रहा है, कि, "परमेश्वर अपने वचन को पूरा नहीं करता, और इसके—इसके साथ छेड़छाड़ नहीं की जानी है। यह सत्य नहीं है। इसका कुछ भी सत्य नहीं है।"

56 और बचाव पक्ष परमेश्वर है, जो कि इस वचन का लेखक है, आज के दिन के लिए, और उस दिन के लिए या किसी भी दिन के लिए।

और मुकदमा करने वाले वकील के अपने गवाह हैं।

57 अब आप कहते हैं, "अभिनिर्णायक याने न्यायी समिति कहाँ है? " मैं उनसे बात कर रहा हूं। आप लोग न्यायी समिति या अभिनिर्णयक है, और आप लोग न्यायी है। अब इस बात को मस्तिष्क में रखें, कि आप इस मुकदमे में अभीनिर्णायक और न्यायी दोनों हैं। मैं केवल वक्ता हूं।

58 अब हमारी कचहरी तैयार है। अब वकील के द्वारा कार्य आरम्भ किया जाता है। यह कचहरी की अदालत में है, इस दोपहर बाद, यह—यह मुकदमा दृश्य पर है।

59 अब बहुत से लोगों ने आपसे कहा है कि, "परमेश्वर का वचन विश्वासयोग्य नहीं है। आप इस पर निर्भर नहीं रह सकते," और आदि–आदि, और आपने यह सब सुना है। अब इसे सही जांच पर लाये। कितने चाहते है, अपने हाथ उठाये और कहे, "मैं सुनना चाहता हूं; और यीशु मसीह, जो कि वचन है, निष्पक्ष मुकदमा हो"? और इस दोपहर बाद हमारे अदालत में, हम उस पर निष्पक्ष मुकदमा करने जा रहे हैं। शत्रु को शत्रु के ही शब्दों को लेने दो, और जो भी उसे कहना है, और देखें क्या यह ठीक है। आइए इसे खोजे और यीशु मसीह जो वचन है, उस दोपहर बाद निष्पक्ष मुकदमा चलाए।

60 अब, अदालत को व्यवस्थित करे, पहला गवाह जिसे वकील सामने लाना चाहता है कटघरे में... श्रीमान अविश्वासी। जो गवाही देने के लिए

खड़ा होता है। अब स्मरण रखें, श्रीमान अविश्वासी। अब इन चरित्रों पर ना चूके, या अब किसी चीज से चूक जाएंगे, आप अपनी चंगाई से चूक जायेंगे।

61 श्रीमान अविश्वासी कटघरे में गवाही देने आते हैं। उसकी शिकायत है, कि, "परमेश्वर की प्रतिज्ञा के सारे वचन सत्य नहीं है। ये सत्य नहीं है।" वह दावा करता है कि, मरकुस 16 को, उस—उस पर लागू किया गया उस कहलाने वाली पवित्र आत्मा की सभा में। और उसे कुछ वर्षों से पेट में परेशानी थी, और वह एक स्थान पर गया जहां वे थे, वे उसे कहते हैं, "पवित्र आत्मा की सभा," और यह विश्वास कर रहा था कि मरकुस 16 की प्रतिज्ञा सत्य है। परमेश्वर की प्रतिज्ञा के अनुसार उस पर हाथ रखे गए।

62 उसे सेवक के विरुद्ध कुछ नही कहना है; उसने तो सीधे– सीधे वचन में से पढ़ा। वह सेवक पर मुकदमा नहीं कर रहा है; वह परमेश्वर पर मुकदमा कर रहा है। क्योंकि, यह सेवक की गलती नहीं है, सेवक केवल वही पढ़ रहा है जो परमेश्वर ने करने को कहा। और मरकुस 16 में परमेश्वर ने वास्तव में कहा है कि, "विश्वास करने वालो के यह चिन्ह होंगे; यदि वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, तो वे चंगे हो जाएंगे।"

63 और वह कहता है कि वह एक विश्वासी है, और वह एक ऐसी सभा में आया जहां वे मरकुस 16 सत्य है प्रचार कर रहे थे। और सेवक, पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के साथ, विश्वासी होने का दावा किया था और एक सेवक को कार्य के लिए भेजा, उसने अपने हाथो को उस पर रखा। और ये दो महीने पहले हुआ, और उसका पेट वैसा ही खराब है जैसा कभी था। इसलिए, वह ये दावा कर रहा है कि परमेश्वर न्यायी नहीं है, कि इस प्रकार की बात वचन में डाली है, जब कि यह सत्य नहीं है।

अब इसे नीचे आने दे। उसने गवाही दे दी।

64 अगले वाले को खड़ा होना है वह श्रीमान शक्की। वह गवाही देना चाहता है। श्रीमान शक्की कहते हैं कि वह—वह टीबी से—से बहुत परेशान था, लगभग पंद्रह वर्षों से। लेकिन वह अभी तक सेवानिवृत्त नहीं हुआ था, यह बस टूटता रहा, बस चलता रहा—चलता रहा। वह थोड़ा सा ठीक हो जाता, और फिर चलता रहता। और उसने नगर में एक स्थान के विषय में सुना, जहां पर एक धर्मी प्रचारक प्रचार कर रहा था, और लोग परमेश्वर की प्रतिज्ञा के अनुसार चंगाई का दावा कर रहे थे, जो कि याकूब 5:14 में

पाया जाता है, जहां परमेश्वर का वचन यह कहता है, "यदि कोई तुम्हारे बीच में बीमार हो, तो वह कलीसिया के प्राचीनों को बुलाए; और वह उन पर तेल से अभिषेक करें और उन पर प्रार्थना करें; विश्वास की प्रार्थना से बीमार बच जाएगा, और परमेश्वर उन्हें उठा खड़ा करेगा।"

65 और वह एक बीमार, और एक विश्वासी होने के नाते, वह इस सभा में गया जहां ये लोग इस धर्मी पास्टर के द्वारा चंगा होने का दावा कर रहे थे। और उस पर भी याकूब 5:14 लागू किया गया। और सेवक ने वचन के अनुसार लागू किया, तेल से उसका अभिषेक किया और उसके लिए प्रार्थना की, और प्रार्थना जो कि सेवक ने की वह "विश्वास की प्रार्थना" थी, उसने यह विश्वास किया। और यह लगभग एक वर्ष पहले हुआ, और उसका परिणाम कभी नहीं निकला, इसलिए श्रीमान शक्की यह दावा करता हैं कि परमेश्वर अन्याय करता है ऐसी प्रतिज्ञा को बाईबल में डाल कर और फिर इसे पूरा नही करता।

अब, स्मरण रखें, मैं यहां पूर्ण सुसमाचार को पढ़ रहा हूं।

66 अब अगला गवाह कटघरे में आएगा। वकील अपना अगला गवाह बुलाता है, इसके पहले वह केस को सिद्ध करे। उसका अगला गवाह श्रीमान बेसब्र है।

67 अब ये अलौकिक चरित्र है जो चरित्रों में वास करते हैं। अब, देखिए, वे करते हैं।

68 इसलिए श्रीमान बेसब्र आते हैं, और वह दावा करता हैं कि वह एक दिन बाईबल में पढ़ रहा था। वह कलीसियाओ में नहीं गया, परंतु वह... वह एक विश्वासी था। इसलिए उनमें से एक सुसमाचार प्रचारक के पास गया, और दूसरा वाला एक पास्टर के पास गया, और यह व्यक्ति एक गुप्त विश्वासी था जो घर पर ही रहा। और वह गया और मरकुस का 11वां अध्याय, 22वां और 23वां पद पढ़ रहा था; यदि आप इन पवित्र वचनों को लिख रहे हैं। जहां कि, यीशु स्वयं, परमेश्वर होने का दावा करता है, इम्मेनुएल, उसने यह वक्तव्य स्वयं अपने होठों से दिया, "मैं तुम से सच–सच कहता हूं, कि जो कोई इस पहाड़ से कहे, 'हट जा,' और अपने हृदय में संदेह ना करे, परन्तु यह विश्वास करे कि जो तुमने कहा घटित होगा, तुमने जो कहा वह तुम पा सकते हो।" और उसने यह भी कहा, कि, "जब तुम प्रार्थना करो, तो विश्वास कर लो जो तुमने मांगा है, पा लिया है, और यह तुम्हें दे दिया

जाएगा।"

69 वह कहता है कि वह लगभग पच्चीस वर्षों से अपने पाव से लंगड़ा है। और पांच वर्षो पहले, एक कमरे में बैठे हुए, उसे लगा कि उसे वचन पढ़ने की प्रेरणा हो रही है, जिसके लिए वह दावा करता है कि वह विश्वास करता है, वह अपने सम्पूर्ण ह्रदय से इसका विश्वास करता है। और तब उसने अपनी ही आवाज में कहा, "मेरे पैरों का अपंगपन, यीशु मसीह के नाम में, मुझे छोड़ दे," उसने कहा। और यह पांच वर्षो पहले की बात है, और वह वैसा ही अपंग है जैसा पहले कभी था।

70 तो, इसलिए, श्रीमान बेसब्र वचन के विरोध में अपनी गवाही देना चाहते है कि यह न असफल होने वाला हैं, बाईबल के विरोध में देना चाहते है, कि यह प्रेरणा वाला वचन है, और कहते है कि प्रतिज्ञा सच्ची नहीं है; उसने इसे परखा है, और "यह सत्य नहीं था।" श्रीमान शक्की ने कहा उसने इसे परखा, और "यह सत्य नहीं था।" श्री अविश्वासी ने कहा उसने इसे परखा, और "यह सत्य नहीं था।" इन तीनों गवाहो ने वचन को पढ़ा, वचन की प्रतिज्ञाये, और कहा यह प्रतिज्ञा ऐसे पढ़ी, आप इसे बाईबल से पढ़ सकते हैं, और ये यह गवाही देते हैं कि "यह सत्य नहीं है।"

71 इसलिए, बाईबल को फेंक देना चाहिए; क्योंकि, यदि इसके एक भाग पर, इसके एक पद पर विश्वास नहीं किया जा सकता, तो इसके किसी भी भाग पर नहीं किया जा सकता। इसे सारा सत्य होना चाहिए, या इसका कुछ भी सत्य नहीं है। एक चैन अपने जोड़ पर सबसे कमजोर होती है। आप जानते हैं मेरा क्या मतलब है।

72 अब वकील आता है कि मुकदमा चलाये और मामले को तय करे। वह इसे तय करना चाहता है। अब देखिए वह क्या कहता है। "परमेश्वर की बात न्यायोचित नही है कि अपने वचन में अंधाधुन्ध प्रतिज्ञायें डाल दी है, अपने विश्वासी बालको के विश्वास को इसके द्वारा परखे, क्योंकि यह सत्य नहीं हैं।" उसने यहां गवाही दी है, कि यह सिद्ध करे कि यह वचन जिसकी प्रतिज्ञा उसने अपने वचन में की सत्य हो, उसका गवाह है जो यहां पर बैठा हुआ हैं, और डॉक्टरो के द्वारा दिखाया जा सकता है, प्रमाण और गवाही, कि वे बीमार थे, वे *ऐसे* रहे है या वे *वैसे* रहे है। "और उन्होंने इस दिव्य को स्वीकार किया, जो कि प्रेरणा वाला पवित्र वचन समझा जाता है, और उन्हें परखा गया, और वे सच्चे नहीं हैं।" उसके पास इसे सिद्ध करने के लिए

गवाह हैं, कि, "ये वचन सच्चे नहीं हैं, क्योंकि उसने प्रत्येक को असफल कर दिया।"

73 अब, अब फिर से ध्यान दें। "और उसने असफल कर दिया। परमेश्वर ने इन विश्वासियों को जो उसके वचन पर विश्वास करते थे असफल कर दिया, ठीक वैसा ही लिया सामान्य, जैसा उसने कहा वो किया, और फिर परमेश्वर ने अपने प्रतिज्ञाओ के लिए उंगली भी कभी नहीं हिलाई; वर्षो और वर्षो बीत गए।" तब उसने कहा, "क्या हो यदि दूसरे पवित्र लेख, जैसे बपतिस्मे का देना, 'वह जो विश्वास करता है और बपतिस्मा लेता है बच जाएगा,' तो क्या कोई नहीं बचा? इन लेखो के लिए क्या है जिसकी प्रतिज्ञा की है कि वह वापस आयेगा? उनमें से कोई भी सही नहीं है। क्योंकि, *ये* सही नहीं है, *वो* सही नहीं है। यह केवल काल्पनिक पुस्तक है। और ये पुरुष विश्वासी है। फिर भी, वह, परमेश्वर प्रतिज्ञा करता है कि सब बाते विश्वासीयों के लिए संभव है, और ये विश्वासी हैं।

74 "अभी, फिर से, वह दावा करता है कि अपने क्रूस पर चढ़ जाने के बाद वह जीवित है। बाईबल यह कहती है, कि, 'वह मृतको में से जी उठा, और कल, आज और सर्वदा एक सा बना रहता है।' और इस व्यक्ति को उसके हाथों में कील के निशानो के साथ किसी ने नहीं देखा, और कलीसिया आदि के मध्य में चल फिर रहा है। और इब्रानियों 13:8 ऐसा इस प्रकार से नहीं है। वह कल, आज और सर्वदा एक सा नहीं है, क्योंकि वह कभी भी एक मनुष्य से बढ़ कर नहीं है। वह अपनी प्रतिज्ञा को बनाए नहीं रख सकता। इसने इन गवाहों से सिद्ध कर दिया, वह अपनी प्रतिज्ञा पूरी नहीं करता, इसलिए पुस्तक को कूड़े के डब्बे में फेंक कर और इसके बारे में भूल जाना चाहिए। ऐसी कोई चीज नहीं है।"

75 अब, स्मरण रखे, मैं वकील की आवाज को प्रयोग कर रहा हूं, उसके मुकदमे को तय कर रहा हूं। "ठीक है, उसने लूका 17:30 में कहा, जहां उसने कहा है कि, 'अंत के दिनों में, मनुष्य का पुत्र प्रगट होगा,' परमेश्वर स्वयं को अब्राहम के वंश पर प्रगट करेगा," जैसा कि उसने एक समय कट्टरपंथी प्रचारक को प्रचार करते सुना और कहता है कि वह स्वयं को फिर से मनुष्य में होकर प्रगट करेगा, मनुष्य का पुत्र कहलाएगा।

76 "प्रकाशितवाक्य 10, वह कहता है कि उसने दावा किया है कि अंतिम दूत का संदेशवाहक, लौदकिया के कलीसियी युग के अनुसार, जो कि

गुनगुनी होगी, कि यीशु को (जो कि वचन था) कलीसिया से बाहर निकाल दिया। उसने दावा किया है कि इन विधान भागो में कि कुछ बाते थी जो सुधारको पर आरंभ के दिनों में प्रगट नहीं की गई, परन्तु अंत के दिनों में, वह, अंत में, सातवे दूत का सातवां संदेशवाहक, कि यह सारा पवित्र वचन वास्तविक हो जाएगा और प्रगट होगा। पृथ्वी पर ऐसा व्यक्ति ना कभी हुआ है, और ना कभी होगा," वह दावा करता है।

77 वह दावा करता है कि, उसमें, "परमेश्वर अपनी बाईबल में दावा करता है, कि कलीसिया दिखावटी हो जाएगी और अपने से अलग हो जाएगी, जो कि मलाकी 4 में वह फिर एक भविष्यव्यक्ता को भेजेगा, जिसे की वह पहले दो बार भेज चुका है, एलिय्याह और यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला। वह एक भविष्यवक्ता को भेजेगा... और वह एलिय्याह की सामर्थ में होगा। और उसकी सेवकाई, उसके कार्य, हर चीज, एलिय्याह होगी। और तब उसकी सेवकाई में, वह लोगों को औपचारिक स्थिति में से बुलाएगा, वापस वास्तविक मूल विश्वास पर जो प्रेरित पूर्वजो का विश्वास है। और ऐसा कुछ नहीं हो रहा है।

78 "और वह यह भी दावा करता है कि आकाश और पृथ्वी दोनों टल जाएंगे, परन्तु उसका वचन कभी असफल नहीं होगा।" और वह कहता है कि उसके पास यहां इस दोपहर बाद प्रमाण है, यह दर्शाता है कि यह असफल है। "और यह यीशु कौन है जो मुर्दों में से जी उठा? तुम सब मनोविज्ञान से कार्य कर रहे हो। और ऐसी कोई चीज नहीं है; आप झूठी आशा में भरोसा कर रहे हो।"

79 अब, मैं सोचता हूं कि उसके कहने के लिए यह पर्याप्त है। मैं सोचता हूं कि उसने इसमें पूरी बाईबल ले ली है। अब उसे बैठने दो, वकील को। अब वकील के गवाह को भी बैठने दो। वे कटघरे से बाहर आ जाते हैं।

80 और अब मंच पर, हम पक्ष के अगले गवाह को बुलायेंगे, पवित्र आत्मा। वह बोलने के लिए आता है। मैं आशा करता हूं कि आपने देखा है कि वकील कैसे अपने मुकदमे को वचन से तय करता है। अब, पक्ष का गवाह, जो कि पवित्र आत्मा है, पक्ष की ओर से बचाव के लिए आता है, वचन। मैं सोचता हूं कि उनके पास इससे अच्छा नहीं हो सकता है।

81 पहले, वह अदालत का ध्यान आकर्षित करता है, लोगो के लिए परमेश्वर के वचन का अनुवादक, वकील वही अनुवादक है जिसने

परमेश्वर के वचन को हव्वा के लिए अनुवाद किया। वह चाहता है कि अदालत ये समझे, कि अनुवादक हव्वा का अनुवादक है, जो कि कहता है इसका हर बिन्दू ठीक है, परन्तु केवल एक शब्द। और वह आपको यह भी बताना चाहता है... वही वो एक था, जिसने बाईबल लिखी, स्मरण रखिए। वह आपकी जानकारी में यह भी लाना चाहता है, कि आरंभ में, वह एक वचन जो परमेश्वर के वचन में से हटाया गया, वही मृत्यु और दुःख और बीमारी का कारण बना। और वह यह भी आपकी जानकारी में लाना चाहता है कि परमेश्वर ने भी अपने वचन में कहा, अंतिम अध्याय में, वैसे ही जैसे पहले में कहा, कि, "कोई भी जो इसमें से कुछ निकालेगा, या इसमें कुछ मिलाएगा, उसका भाग जीवन की पुस्तक में से ले लिया जाएगा।" यह वचन होना चाहिए, और केवल वही। वह चाहता है अदालत यह जान जाए कि किसने यह कठोरता से तय किया है, यह हव्वा का अनुवाद करने वाला है।

82 वह आपसे चाहता है... अदालत का ध्यान फिर से खींचना चाहता है, यह बचाव पक्ष का वकील है, वह अदालत का ध्यान दिलाना चाहता है और आपको दिखाना चाहता है कि प्रतिज्ञायें केवल विश्वासियों के लिए है; ना की बनावटी विश्वासी, बेसब्र, या संदेह करने वालो के लिए। दृश्य को बदलता है, है कि नही? यह केवल... वे लोग नही जो स्वयं को विश्वासी कहकर बुलाते हैं; यह केवल विश्वासीयों के लिए है, ना कि वे जो कहते हैं कि वे विश्वासी हैं। शैतान कहता है कि वह भी विश्वासी है, आप जानते हैं। ये उनके लिए नहीं। यह केवल वास्तविक विश्वासियों के लिए है।

83 और यह बचाव पक्ष के गवाह को मालूम होना चाहिए कि ये लोग विश्वासी है या नहीं, क्योंकि, कुल मिलाकर बचाव पक्ष का गवाह स्वयं में वचन को जीवन्त करने वाला है। वह जानता है कि आप विश्वास करते हैं या नहीं। यही है जो परमेश्वर के द्वारा दिया गया है, कि इसे घटित करे। हाल्लेलुय्या! वही वो एक है जो यह सिद्ध करता है। वही वो एक है जो इसे घटित करता है। वही वो एक है जो जानता है कि यह सही स्थान पर गिरा है या नहीं, वचन का बचाव पक्ष का गवाह। ध्यान दें, वह विश्वासियों को फिर से बुलाना चाहता है, वह बचाव पक्ष का गवाह जानता है कि यह है या नहीं, यह वचन को जीवित करने वाला है।

84 और यह अदालत का ध्यान फिर से वचन की प्रतिज्ञा की ओर आकर्षित

करना चाहता है यह प्रश्न है। उसने इन बातों को घटित होने के लिए कोई समय निश्चित नहीं किया है।

85 देखिए ये कैसे आपके सामने वचन को गलत पढ़ते हैं? अब ये लोग जो कहते हैं, "मैं *इसे* घटित होते हुए देखू," देखिए, ये यहाँ तक वचन को सही रीति से भी नही पढ़ते। यह ऐसा है, यदि मनुष्य सच्चा विश्वासी है, उसने अभी तक समय की कोई सीमा तय नहीं की है।

86 वह यह भी चाहता है कि अदालत यह भी स्मरण रखे कि यह वचन लिखा हुआ है, और यीशु मसीह, वचन प्रगट में है, कहा, "वचन बीज है जो बोने वाले ने बोया।" और बीज स्वयं को उत्पन्न कर सकता है, अपनी प्रतिज्ञा को उत्पन्न करता है, यदि यह सही प्रकार की भूमी में हो तो वह बीज को जीवंत कर देगा। आमीन। एक प्रकार से वो—वो मुकदमा बदल रहा है, क्या हम नहीं? इसे इसके सही स्थान पर होना चाहिए।

87 बीज का एक दाना इस मेज पर कभी भी फसल नहीं उगायेगा। मकई का—का दाना, नीले पत्थर में, कुछ नहीं करेगा। मकई के दाने को भूमी में गिरना है जो कि उस मकई के दाने के लिए उपजाऊ बनायी गयी है, या फिर वह नहीं बढ़ सकता।

88 और परमेश्वर ने कहा उसका वचन बीज है जिसे बोने वाला बोता है, और इसे सही भूमी में गिरना चाहिए। यह मिट्टी विश्वास है। यह बीज है, और इसे इस भूमी में गिरना चाहिए, या यह जीवंत नहीं होगा। दूसरे शब्दों में, पवित्र आत्मा, बचाव का गवाह यहाँ है, कहता है कि वह उसके पास आ भी नही सकता जब तक सही प्रकार की भूमी में ना गिरे। वह इसे जिलाने वाला है।

बचाव पक्ष का गवाह अपने पहले गवाह को बुलाता है।

89 मैं सोचता हूं कि यदि वकील गवाह को बुला सकता है, यहां पृथ्वी पर जो यह सिद्ध करता है कि वचन गलत था, मैं सोचता हूं कि बचाव के गवाह को अधिकार है कि गवाह को बुलाए जो इसे सही सिद्ध कर सकता हैं। क्योंकि, अब प्रश्न विश्वासियों और अविश्वासीयों के मध्य में, वचन के साथ है, जैसे–जैसे कि वचन बढ़ता है।

90 बचाव पक्ष का गवाह अदालत से इस दोपहर में पहले गवाह से परिचय कराता हैं, वह नूह है। नूह ने कहा वह बहुत ही वैज्ञानिक युग में रहा है। नूह गवाही देना चाहता है। और उसने कहा वह उन दिनो में था जब लोग

आश्चर्यकर्मो और चीजों से दूर हो गए थे। और तब उसने परमेश्वर का वचन सुना जो उसे बता रहा था कि वह संसार को जल से नष्ट करने जा रहा है, और पानी ऊपर से आएगा। बारिश होगी, जो कि पहले कभी नहीं हुई। परन्तु वह कहता है कि परमेश्वर का वचन, वो—वो भविष्यवक्ता होने के नाते, वचन उसके पास आया, और वह प्रचार करने चला गया कि वचन घटित होने जा रहा है, क्योंकि यह परमेश्वर था। और वह अदालत को यह जानकारी देना चाहता है कि श्रीमान अविश्वासी, श्रीमान शक्की, और श्रीमान बेसब्र, उसे सारे समय बहकाते रहे। परन्तु भविष्यवक्ता होने के नाते, यह जानते हुए कि परमेश्वर झूठ नहीं बोल सकता, जो भी हो वह वचन को पकड़े रहा।

91 वे उसके पास आए और कहा, "अब, नूह," श्रीमान अविश्वासी ने कहा कि, "तुम यह कैसे सिद्ध करने जा रहे हो कि वहां कोई वर्षा है?"

92 "मैं नहीं जानता कि ये कहाँ पर है। परन्तु यदि परमेश्वर ने कहा कि ऐसा है, तो—तो बस यह तय हो गया।"

"कैसे ये वर्षा होगी, जबकि वहां ऊपर कोई वर्षा नहीं है?"

"मैं नहीं जानता। परन्तु परमेश्वर ने ऐसा कहा है, और यह तय हो गया।"

93 श्रीमान शक्की ने वहां पर आकर और कहा, "यदि वर्षा जैसी कोई चीज होती है जो कि नीचे गिरेगी, तब उसे नीचे यहाँ पर आकर और वर्षा लेकर ऊपर जाना होगा। वह इसे कैसे करने जा रहा है?"

"मैं नहीं जानता।" "और मेरे नाव बना लेने के बाद..."

94 पहले वह कहना चाहता है, कि जब उसने यह बयान दिया, लोगों के बीच में नबी होने के नाते, हर कोई उस पर हंसा, और कहा, "मैं कोई वर्षा नहीं देखता।"

95 ठीक है, जब वह नाव पर कार्य करने गया, उन्होंने कहा, "सम्भव है नाव के बाद..." श्रीमान—श्रीमान बेसब्र ने उसे बताने का यत्न किया, "सम्भव है नाव के बन जाने के पश्चात, तब वर्षा आएगी।" लेकिन जब नाव पूरी हो गयी, फिर भी वर्षा नहीं हुई।

96 अगले दिन कभी भी वर्षा नहीं हुई, अगले सप्ताह में भी कभी वर्षा नहीं हुई, ये अगले महीने भी कभी वर्षा नहीं हुई—कभी वर्षा नहीं हुई, अगले

वर्ष भी। और जब उसने नाव पूरी कर ली, फिर भी वर्षा नहीं हुई।

97 और तब उसने कहा, एक दिन परमेश्वर की आवाज फिर आई और उसे बताया कि वह प्रकृति में एक अलौकिक चिन्ह देखेगा, कि वे चिड़ियाये और जानवर इसके अंदर जा रहे है। और तब श्रीमान अविश्वासी उस पर हंसे और कहा, "यह तो पक्षियों का बसेरा हो गया। इसने बसेरा बनाया है।" और सभी हंसने लगे और उसका उपहास उड़ाया।

परन्तु, एक दिन, परमेश्वर उससे बोला, और कहा, "नाव में जा।"

98 और नूह दरवाजे पर खड़ा हुआ और कहा, "आपको अंतिम बार पुकार रहा हूं। अंदर आ जाओ!" और कोई नहीं आया केवल उसका अपना परिवार।

99 इसलिए वह कहता है वह नाव में चला गया। और उसने अपने छोटे प्यारे परिवार से कहा, अब, यह नूह भविष्यवक्ता है, "ओह, दूसरे घंटे में, कोई शक नहीं, वर्षा आएगी।"

100 और जब वह भीतर गया, तो उसके पीछे से दरवाजा अलौकिक रीति से बंद हो गया। उसने कहा, "अब देखो, प्रिय," अपनी पत्नी से, अपनी बहूओं और अपने पुत्रों से कि, "हम भीतर परमेश्वर के साथ बंद हो गए है।

101 "अब वहां ऊपर हमारे पास खिड़की है। जल्दी से सीढ़ियों पर से ऊपर जाओ। चूको मत। बहुत जल्दी से दौड़ो, और अब यहाँ आओ। वर्षा होनी पक्का है, कोई संदेह नहीं।"

102 और वहां कुछ लोगों ने उसे प्रचार करते सुना, कहा, "सोचते है क्या वह बुढा कट्टरपंथी सही हो सकता है? " श्रीमान अविश्वासी, श्रीमान शक्की, श्रीमान बेसब्र, वे सब आसपास आ गए, कहा, "हम पता लगायेंगे।" कहा, "नूह क्या तुम अन्दर हो? "

"हाँ।"

"खोलो, हम चारों ओर से देखना चाहेगे।"

103 "परमेश्वर ने द्वार बन्द कर दिया है। मैं इसे नहीं खोल सकता। इसमें खोलने के लिए कुण्डी नहीं है।"

104 अब उन्होंने कहा, "बुढा सनकी वह वहां अन्दर गया और दरवाजा बन्द कर लिया, और यत्न कर रहा है कि हम सोचे... यह चला रहा है। वो हमें डराने की कोशिश कर रहा है।"

105 और वहां वकील का गवाह बैठा हुआ है, वह यह सब सुन रहा है, क्योंकि वे इसे करने के दोषी हैं। बाईबल ने ऐसा कहा है, "ठट्ठा करने वाले!"

"और वे मुझ पर हंसे और मेरा उपहास उड़ाया।

106 "और यहां तक कि मैं स्वयं वर्षा होने की राह देख रहा था। और सारे दिन, वर्षा नहीं हुई। अगले दिन, कोई वर्षा नहीं हुई। अगले दिन, कोई वर्षा नहीं हुई। चार दिन, कोई वर्षा नहीं। पांच दिन, वर्षा नहीं। छह दिन, वर्षा नहीं। परन्तु परमेश्वर ने मुझे यह नहीं बताया था कि कब वर्षा होगी, बस उसने कहा, 'वर्षा होने जा रही है।' उसने समय कभी भी तय नही किया। उसने बस यह कहा, 'वर्षा होने जा रही है।'"

107 उसने कभी नहीं कहा, "जैसे ही तुम बीमारों पर हाथ रखोगे, तो वह कूदने वाले है और चारो ओर फर्श पर भागे–भागे फिरेंगे," जैसी कि शक्की चाहते है आप सोचे। उसने कहा, "वे चंगे हो जायेंगे।" उसने कभी नहीं कहा कब और कैसे। "वे हो जायेंगे!"

108 उसने कहा, "विश्वास की प्रार्थना से बीमार बच जाएगा," याकूब 5:14 में, "परमेश्वर उसे उठा कर खड़ा करेगा।" कब? यह नहीं कहा। बस उसने कहा वह चंगा हो जाएगा।

109 मरकुस 16, उसने कहा, "इस पहाड़ से कहो, 'हट जा,' और अपने ह्रदय में संदेह ना करो, परन्तु यह विश्वास करो कि जो कुछ तुमने कहा घटित हो जाएगा।" कब यह नही कहा। उसने कहा यह हो जाएगा! हाल्लेलुय्या!

110 देखा वचन का गलत अनुवाद करने वाले वहां पर है? तब आप कहते हैं, "अच्छा, मैं तुम्हे *इस* व्यक्ति को चंगा करता हुआ देखू, यह लंबे समय से पहिए वाली कुर्सी में है। मैं देखू। वह कहता है वह विश्वास करता है।" यह शैतान है! देखिए यह कौन है?

111 यीशु ने कभी नहीं कहा वे एकदम से कूदेंगे और ठीक तब ही ठीक हो जाएगे। बहुत सारे पेंटीकोस्टल भी यही सोचते है, परन्तु बाईबल ने ऐसा कभी कहा। उसने कहा, "यदि उन्होंने इसका विश्वास किया, वे चंगे हो जायेंगे।" और उसके पास उसके गवाह हैं कि इसे सिद्ध करे।

112 नूह ने कहा, "एक सौ बीस वर्षों के बाद वर्षा हुई।" परन्तु, वर्षा हुई।

नूह यह जान गया कि वह अपनी पीढ़ी में इसे देखने जा रहा है, क्योंकि उसने नाव बनायी, उसके अंदर जाने को तैयार था।

113 अब, अब हम यह पाते हैं कि यह सच था। अब यह नूह, वो पहला गवाह है।

114 अब, दूसरी गवाही, हम बुलायेंगे। आइये अब्राहम को बुलाते है। उसने कहा, "मैं एक भविष्यव्यक्ता था, और मैंने परमेश्वर की प्रेरणा में होकर भविष्यवाणी की। और उसने मुझे बताया कि मेरी पत्नी, जो पैंसठ वर्ष की है, और उस समय, मैं पचहत्तर वर्ष की आयू में था, कि मुझे साराह के द्वारा बालक मिलने जा रहा था। तब भी, निश्चय, वह... मैं जीवाणुविहीन था; वह, उसका गर्भ धारण करने की शक्ति समाप्त हो चुकी थी। उसका बीस वर्ष, या उससे अधिक वर्षो से, मासिक धर्म बन्द हो चुका था। मैं इन सारे वर्षों से उसके संग रहा, और बालक का कोई चिन्ह नहीं था। उसका गर्भ मरा हुआ था। और, परन्तु परमेश्वर ने मुझे बताया कि मुझे उसके द्वारा बालक मिलने जा रहा था।

115 "और आप जानते हैं, श्रीमान अविश्वासी, श्रीमान शक्की, और श्रीमान बेसब्र, पहले अट्ठाईस दिनों के पश्चात, जब साराह को कुछ नहीं हुआ, तो वे मुझ पर हंसे और मेरा उपहास उड़ाया। पहले वर्ष, उन्होंने मेरे पास आकर और कहा, 'अब तुम्हारे पास कितने बालक हैं?'"

116 परन्तु, पच्चीस वर्षों बाद, बालक दृश्य पर आया। यह घटित हुआ। परमेश्वर ने यह नहीं कहा कि, "अगले सप्ताह साराह से द्वारा तुम्हारे बालक होने वाला है।" उसने कोई समय नहीं ठहराया। उसने कहा साराह के द्वारा उसे बालक मिलेगा। उसने यह कभी नहीं कहा कब। उसने बस यह कहा यह उसे मिलेगा।

117 इसलिए अब्राहम ने कहा, "और मैं अविश्वास के द्वारा प्रतिज्ञा पर डगमगाया नहीं। परन्तु जैसे–जैसे समय बीतता गया, मैं हर समय और मजबूत होता गया। और यह देखते हुए कि शरीर में दुर्बल हो रहा हूं, जो कि बालक के आने में रुकावट थी, बजाये इसके कि विश्वास में दुर्बल होता, मैं विश्वास में मजबूत हो गया, क्योंकि मैं जान गया कि परमेश्वर अपने वचन को बनाए रखने में योग्य था।

118 "इसलिए एक दिन मैं बैठा हुआ साराह से बातें कर रहा था, और प्रभु का स्वर्गदूत आया। तीन मनुष्य, उनमें से दो सदोम चले गए; एक मेरे पास

खड़ा रहा मुझसे बात की, और घटित होने वाली बातों को मुझे बताया। और मैं बूढ़ा था और मेरे कंधे झुके हुए थे, और साराह कठिनता से आस–पास घूम सकती थी। और, आप जानिए कि, अगले ही दिन से, मैंने देखना शुरू किया कि मेरी पीठ का कूबड़ हट गया। और मेरे बाल काले होने लगे, और साराह के गाल लाल हो गए।"

119 अब आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, कुछ ज्यादा हो गया!" एक मिनट, देखिए यदि वह हुआ। ध्यान दें, वे युवा पुरुष और युवती में बदल गए। अब आप कहते हैं, "ओह, भाई ब्रन्हम!" अब, परमेश्वर अपना संदेश पंक्तियों के बीच में छिपाता है। धर्म विद्यालय इसे कभी नहीं जान पायेंगे। यह ठीक बात है। नहीं, नहीं। यह एक प्रेम कहानी है।

120 मेरी पत्नी वहां है, वह मुझे पत्र लिखती है। और वह पत्र में एक बात कहती है, परन्तु मैं पंक्तियों के बीच में पढ़ सकता हूं। मैं जानता हूं कि वह किस विषय में बात कर रही है, क्योंकि मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उसका स्वभाव जानता हूं। मैं जानता हूं उसका क्या अर्थ है। "मैं आज रात्री मैं यहां बैठी हुई हूं, बिली। बालक सो रहे हैं। मैं आपके विषय में सोच रही हूं।" ओह, मुझे—मुझे मालूम है उसका क्या अर्थ है, देखिए, देखिए, क्योंकि मैं उससे प्रेम करता हूं।

121 और यदि आप परमेश्वर से प्रेम करते है, और परमेश्वर का आत्मा आप में है, पवित्र आत्मा स्वयं में ही इस वचन का अनुवादक है।

122 ध्यान दें, वे अब बहुत आयू के थे, बाईबल ने ऐसा बताया। अब जल्द, हम अंत पर आ गए हैं। तब उसने कहा, "मैं एक युवक में बदल गया। वह युवती में बदल गई।"

आप कहते हैं, "ओह, भाई ब्रन्हम!"

123 सुनिए, बालक को पाने में... उसका गर्भाशय मरा हुआ था; उसका जीवन संचार मरा हुआ था। अब पाने के लिए... उसे उसका दूसरा गर्भाशय बनाना था। क्या उसे यह करना था? तब उनके पास बालको के मुंह में लगाने वाली बोतले नहीं थी ताकि मां इधर–उधर घूमती फिरे। उन दिनों में मां के ही पास दूध होना था। इसलिए इस प्रकार से करने के लिए, दूध की नलियां सूख गई थी, इसलिए उसे नई दूध की नलियां बनानी थी, और आदि–आदि, ताकि बालक को पिलाए। और दूसरी बात, एक सौ वर्ष की महिला, जच्चा की पीड़ा में जाये? उसे उसका नया ह्रदय बनाना था।

समझे? इसलिए उसने इसकी मरम्मत नहीं की। उसने उसमें दर्शाया, कि वह अब्राहम के सारे वंश के साथ क्या करने जा रहा है, वे नए हो जाएंगे, पुत्र के स्वागत के लिए नया शरीर पायेंगे जिसकी हम राह देख रहे हैं। मैं अब भी प्रतिज्ञा का विश्वास करता हूं।

आप कहते हैं, "अत्याधिक है!"

124 ठीक है, एक मिनट। ध्यान दे, वे जहां थे वहां से उन्होंने तीन सौ मील की यात्रा की, नीचे फिलिस्तीन, गरार को। और वहां युवा पुरुष था जिसका नाम अबिमलेक था, वह राजा था, और वह ह्रदय की राजकुमारी की खोज में था, और वे सारी फिलिस्तीन की लड़कियां। यहाँ छोटी दादी आती है, साराह, अपनी शॉल ओढ़े हुए, और अब्राहम। और अब्राहम ने कहा, "प्रिय, मैं चाहता हूं कि तू मेरे लिए ऐसा कर।" कहा, "तू देखने में सुन्दर है, जब राजा तुझे देखेगा, तो वह तुझे पत्नी होने के लिए ले लेगा।" और जब लोगों ने उसे देखा, वह इतनी सुंदर थी! दादी? वह इतनी सुंदर थी यहां तक कि अबिमलेक उसे पत्नी होने के लिए ले लिया।

125 और तब वह अबिमलेक को स्वप्न में दिखाई दिया, और कहा, "उसका पति मेरा भविष्यव्यक्ता है। तू उसे छू, तो तू मरे हुए के समान है।" यह ठीक बात है?

126 यहां वह यह दर्शा रहा है कि वह अब्राहम के बालको के साथ क्या करने जा रहा है। कहा, "उसने यह नहीं कहा वह इसे कब करेगा, परंतु उसने कहा वह इसे करेगा।" यह ठीक बात है, मित्र, बस इसे आगे बढ़ने दे। जो भी है वह इसे करेगा। उसने यह प्रतिज्ञा की है। अब, लेकिन प्रतिज्ञा के पच्चीस वर्षो बाद, साराह को बालक उत्पन्न हुआ। वचन ने कभी नहीं कहा कि वह इसे कब प्राप्त करेगी, परन्तु कहा वह इसे पाएगी।

127 आइए अब इन गवाहों के साथ जल्दी–जल्दी करें। तीसरी गवाही, मूसा। उसने कहा कि परमेश्वर ने उसे करने के लिए एक चिन्ह दिया, कि यह सिद्ध करे कि वह उस युग के लिए वचन है। उसने वचन को, चिन्ह और एक आवाज के साथ लिया, और पास्टर फिरौन के सामने गया। और पास्टर फिरौन ने कहा, "ओह, यह तो घटिया जादू की चाल है। मेरे पास यहां आदमी है जो कि ठीक यही चीज कर सकता है।" और उन्होंने किया। नकलबाज! उसने कहा, "यदि मैं एक भविष्यवक्ता ना होता और नहीं जान पाता कि प्रतिज्ञा किया हुआ वचन था, मैंने कहा होता इसमें कुछ नहीं है,

क्योंकि ये नकलबाज यहां पर यही चीजे कर रहे हैं जो मैं कर रहा हूं।" परन्तु उसे मालूम था यह परमेश्वर की ओर से आया है, इसलिए वह स्थिर रहा।

128 परमेश्वर ने कहा वह लोगों को छुड़ाएगा और वे एक पहाड़ पर आएंगे। उसने आशा की थी सम्भव है वे उस दिन वापस आयेंगे। परन्तु, यह वर्षों बाद था, परन्तु वे वापस आए। वे पहाड़ पर पहुंचे। परमेश्वर ने अपना वचन पूरा किया। वह उन्हें प्रतिज्ञा के देश ले गया, जैसा उसने कहा। उसने परमेश्वर के वचन का विश्वास किया।

129 अब जल्दी ही मैं दूसरा गवाह लेने जा रहा हूं, चौथा गवाह, ये यहोशू है। उसने कहा, "जब परमेश्वर ने हमसे प्रतिज्ञा की है, और हम वहां पहुंचे... " यह केवल चालीस कुछ मील है। "और जब हम कादेश बर्निया पहुंचे, मूसा ने गवाह भेजे कि मालूम करे कि हम उसे ले सकते हैं या नहीं। और, ओह, वे अमालेकी, और वे बड़े दानव, और ऊंची दीवारें," कहा, "हम इसे बिल्कुल नहीं ले सकते, ऐसा प्रतीत होता है।"

130 परन्तु कोई तो गया और कुछ तो प्रमाण वापस लाया कि देश अच्छा है। इसलिए उसने कहा, "बाकी सारे गोत्र, उन्होंने कहा, 'ओह, हम इसे नहीं ले सकते।'" उसने कहा, "मैं खड़ा हुआ और लोगों को शांत किया, और उन्हें बताया सवाल यह सवाल वहां उस चीज के आकार का नहीं है; यह परमेश्वर की प्रतिज्ञा है, और परमेश्वर इसे करेगा।" उसने कहा, "मैंने लोगों को शांत करने के पश्चात, उसने हमें कभी भी, अगले दिन, अगले सप्ताह नही वहां पर नही ले गया। वो चालीस वर्षों के बाद, हमें वहां पर लेकर गया। परन्तु उसने यह नहीं कहा कि वह हमें कब लेकर जा रहा है; उसने कहा कि वह हमें वहां ले जाएगा, इसलिए हम वहां पर गए।"

131 मैं यशायाह को लेना चाहूंगा कि एक क्षण के लिए आए। यशायाह पर ध्यान दें। उसने कहा, "मैं लोगों के मध्य में प्रमाणित भविष्यवक्ता था। हर किसी ने मुझ पर विश्वास किया। राजा उजिय्याह से लेकर आगे तक, उन्होंने मुझ पर विश्वास किया। मैं एक प्रमाणित भविष्यवक्ता था। जो मैंने कहा, परमेश्वर ने उसे घटित किया। उसने—उसने मेरे वचनों को, जो मैंने कहे, घटित किया, क्योंकि मैंने उन्हें उसके नाम से कहा, यहोवा।" उसने कहा, "एक दिन, यहोवा मुझ से बोला और कहा, 'मैं उन्हें एक चिन्ह देने जा रहा हूं, एक कुंवारी गर्भवती होगी।' और मैंने कहा, मैंने बिल्कुल वैसे

ही बोला जैसा यहोवा ने कहा।"

132 कहा, "और आपको बताना चाहता हूं कि यह अदालत, कि हर एक इब्रानी लड़की ने छोटे–छोटे जूते और सारी चीजे तैयार कर ली कि यह बालक को प्राप्त करे। एक कुंवारी गर्भवती होने जा रही थी। और महीनों बीत गए, यह नहीं हुआ। हफ्ते, यह नहीं हुआ। लगभग आठ सौ वर्षों पश्चात, यह घटित हुआ, परन्तु कुंवारी गर्भवती हुई और बालक को जन्म दिया।" यहोवा ने यह कभी नहीं कहा कि यह कल घटित होने जा रहा है, कोई कुवांरी तुम्हारे युग में होगी। उसने बस कहा, "एक कुंवारी गर्भवती होगी," और यह तय हो गया। उसने यह नहीं कहा कब। उसने इतना कहा वह होगी।

133 अब, यदि यह अदालत को अच्छा लगे, क्या मैं उसका अगला गवाह बनू? मैं उसके लिए गवाही देना चाहता हूं। आज के दिन के लिए वचन की की प्रतिज्ञा, जिसकी मैं गवाही देना चाहता हूं।

134 जन्म से, केंटकी के छोटे लड़के के समान, आप इसे देखते है प्रार्थना के कार्ड और हर एक चीज पर, वहां पर वो उजियाला ठहरा रहता है। मैंने अपनी माँ और पिता को सारी उम्र बताया। आशा है कि यह व्यक्तिगत नहीं लगता है, परन्तु मैं उसके सामने गवाह के समान खड़ा हूं। *ये* वो है जो वचन के रूप में है। मुझे मालूम नहीं हुआ कि इसका क्या अर्थ है; कोई नहीं जानता। वहां पहले उन पहाड़ों में, वहां छोटे पुराने... यहाँ तक शीशे की खिड़की भी नहीं थी जैसी अब आप लोगो के पास है; आपके पास तब छोटा पुराना दरवाजा होता था जिसे आप खिड़की के स्थान पर खोलते थे। और उस प्रात:, एक ज्योति अन्दर आयी।

135 मैं मां को बताता, लोगों को बताता। जैसी बातें मैं बताऊंगा, वे सदा उसी प्रकार घटित होंगी। उन्होंने इसका विश्वास नहीं किया। उन्होंने कहा, "यह ऐसा नहीं है।" परन्तु लगभग तीस वर्ष पश्चात, परमेश्वर ने वैज्ञानिक प्रमाण से सिद्ध किया, कि यह इसी प्रकार से था। इसी प्रकार था, क्योंकि यह एक प्रतिज्ञा है।

136 सात वर्ष की आयू में, पेड़ के पास, जहां आवाज मुझसे बोली थी और कहा, "कभी भी धूम्रपान ना करना, ना तम्बाखू चबाना, या शराब पीना, या अपने शरीर को दूषित ना करना।"

137 और मैं जो एक शराब बेचने वाले के घर में था, यह भी नहीं मालूम

कि बाईबल क्या थी, एक शब्द से अधिक नहीं। हमारे पास तिथी पत्र मिल सकता था, परन्तु हमारे घर में बाईबल नहीं। कुछ नहीं केवल एक झुंड... अपने लोगों के विरोध में नहीं बोल रहा हूं, परन्तु इस सब के विषय में परमेश्वर जानता है। वहां पर कोई मार्ग नहीं था, मेरे लोग मेरे सामने, और पहले पीछे वे कैथोलिक थे। उन सभी ने कलीसिया से अलग विवाह किया था और दूर चले गए, और वहां बिल्कुल कोई धर्म नहीं था। हमने इस पर कभी ध्यान भी नहीं दिया।

138 परन्तु उसने—उसने मुझे बताया कि क्या होने जा रहा है, कि मुझे धूम्रपान या शराब, या अपने शरीर को किसी प्रकार से खराब नही करना है, मेरे लिए एक काम होगा जो मुझे बड़े होकर करना होगा। तो, इसके बाद वर्षो और वर्षो बीते। मुझे कैसे मालूम हुआ कि मैं एक सेवक बनूंगा? मुझे प्रचारक के विचार से घृणा थी। परन्तु जो भी है, यह हुआ। वह यह दिखाने जा रहा था कि वह अपने वचन को पूरा करता है। सत्रह वर्षो के बाद वह झाड़ी में मुझ पर प्रगट हुआ...

139 उसके अगले दिन हमने पाया, उसने मुझे नदी के आर पार एक पुल दिखाया, इसे फैलाते हुए, दिखाया कि सोलह व्यक्ति उस पर से गिर पड़े। मैंने माँ को बताया। पेड़ से टिके हुए, यह देखा। वह बोली, "प्रिय, तुम्हे नींद आ गई होगी।"

मैंने कहा, "नहीं, मां कभी नहीं। मैंने यह देखा।"

140 ठीक उस दिन के सत्रह वर्षो पश्चात, म्यूनिसिपल का वह पुल जेफरसनविले में केन्टकी को, और सातवां... और सोलह लोगो का जीवन उस पर नष्ट हुआ, बिल्कुल जैसा कि यह कहा गया था। ओह, ऐसा हुआ श्रीमान अविश्वासी ने सारे समय मुझे परखा!

141 क्या मैं बस अंधे वकील का ध्यान आकर्षित करूं, इस विषय कि यीशु यहाँ हाथो में किलो के निशान के साथ है। उसने इस प्रकार की बात कभी नहीं कही। उसने कहा, जब वह स्वर्ग से मुड़ता है, कि, "हर एक घुटना झुकेगा, और हर एक आंख उसे देखेगी, और हर जुबान उसको स्वीकार करेगी।" उसने केवल आत्मा की सामर्थ को वापस भेजने और उसके वचन को प्रमाणित करने की प्रतिज्ञा की है, जो मरकुस का है, और वह क्या करेगा। उसने बस... वे बस इसे नहीं समझ पाते है।

142 अब, इस विचार विमर्श के आधार पर इस दोपहर बाद, और हम जो

जीवित है... जिसे, कि मुझे हटाना पड़ रहा है, आप मुझे मूल पाठ और आदि के पन्नों को पलटते हुए देखते हैं, जिन्हें मुझे लाना था, परन्तु मैं सोचता हूं इसे समझने के लिए हम काफी समीप हैं।

143 अब वे अब भी इसका विश्वास नहीं करते। यीशु ने इसकी प्रतिज्ञा की है, "जैसा यह नूह के दिनों में था, और जैसा यह लूत के दिनों में था, यह अन्त के दिन में होगा।" यह हमारे पास है। यह यहाँ पर है। यह पहले ही प्रमाणित है, कितने ही पवित्र वचन! सादोम के युग में, जो अब्राहम के संग हुआ, वही अब्राहम के राज वंश के संग फिर से लौटेगा, जो मसीह में है; मसीह वचन के रूप में वापस आ रहा है, मनुष्यो में कार्य कर रहा है, और चिन्हों को दिखा रहा है जिसकी उसने प्रतिज्ञा करी कि यह चिन्ह होगा, यह करेगा। उसने प्रतिज्ञा की है कि वह इसे करेगा। परमेश्वर ने इसकी प्रतिज्ञा की है। और परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा को पूरा करता है।

144 और अब, कुछ वर्षों पहले, मैंने आपको बताया कि वह मुझ से बोला और कहा, "इस सेवकाई के तीन पड़ाव होंगे। और उनमें से एक लोगों के हाथ को पकड़ने के द्वारा होगा, और जान जाओगे कि उनकी क्या परेशानी थी।" कितनों को यह याद है? निश्चय ही। क्या मैंने आपको नहीं बताया, "यदि मैं सच्चा बना रहूंगा," उसने मुझे बताया, "यह भी घटित होगा कि यहां तक कि मैं उन लोगो के ह्रदय के गुप्त विचार भी जान जाऊंगा"? क्या मैंने आपको नही बताया? कितनों को यह याद है? क्या यह घटित हुआ? यह कभी भी अगले दिन नहीं हुआ, यह वर्षों बाद हुआ, परन्तु ये हुआ।

145 और उसने वहां नदी पर कहा, उसने कहा, "जैसे कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला उसके आगमन के दावे के लिए भेजा गया, और उसकी सेवकाई के अंत में, यीशु आया। और जैसे यूहन्ना भेजा गया था, इसी प्रकार से तेरी सेवकाई दूसरे आगमन के आगे–आगे चलेगी।" और परमेश्वर के लोगों के मध्य में विश्वव्यापी बेदारी होगी, समस्त संसार में, पिछले पंद्रह वर्षों से; सबसे लंबी बेदारी। कोई भी इतिहासकार जानता है कोई भी बेदारी तीन वर्षों से ऊपर नहीं चलती है। और यह पंद्रह वर्षो से है। और आज कलीसियाओं को देखें, यह ठंडी हो गयी है। हम उसके आगमन की प्रतिक्षा कर रहे हैं। वह स्वयं को प्रमाणित कर रहा है, दिखा रहा है।

146 अब, यह सारी बातें घटित हुई। उसने इसमें प्रतिज्ञा दी कि, "तू ह्रदय के गुप्त विचारो को जानेगा।"

147 अब तीसरा पड़ाव अब सेवकाई में आरंभ हो रहा है। मैं इसमें जाने के लिए समय नहीं लुंगा, क्योंकि मैं सोचता हूं कि मुझे नहीं करना है। परन्तु आप में से बहुत से यहां पर इस विषय में जानते हैं, कि, किस बात ने जगह ली है।

148 अब, जब मैंने आपको बताया, जब मैं पहली बार केन्सास शहर में आया, और अरकंसास में, कि यह बातें घटित होंगी, और वे यहां पर हैं। हम जीवित गवाहियां हैं कि वे घटित हुई हैं। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... परमेश्वर ने कहा यह घटित होगा। यह नहीं कहा कि यह ठीक तभी होगा। उसने कहा कि यह होगा।

149 मरकुस 16 ने कहा, "विश्वास करने वालो के ये चिन्ह होंगे।" यदि मैं एक विश्वासी नहीं हूं, तो फिर क्यों यह वचन सत्य प्रमाणित हो?

150 यदि आप विश्वासी लोग नहीं हैं, तो फिर क्यों परमेश्वर पवित्र आत्मा दे? आपके पास सब प्रकार के प्रदर्शन हो सकते है, आप दौड़ सकते है, अन्य भाषाओं में बोल सकते है, और उन लोगों के समान कर सकते हैं जिनके पास पवित्र आत्मा होता है; परन्तु यदि आपके हृदय में वास्तविक कुछ नहीं है, तो यह उस वचन को कभी भी जीवन में नहीं लाएगा। परन्तु यदि वहां कुछ वास्तविक है, "स्वर्ग और पृथ्वी टल जाएंगे, परन्तु वह वचन असफल नहीं हो सकता।"

151 "जो विश्वास करते है उनके यह चिन्ह होगे; यदि वे बीमारों पर हाथ रखते है, तो वे चंगे हो जाएंगे।" और आप दूसरों को चंगा होते हुए देखते हैं। उसने यह नहीं कहा कि ठीक तभी चंगे हो जाएंगे। उसने कहा, "वे चंगे हो जायेंगे यदि उन्होंने इसका विश्वास कर लिया।"

152 कितने यह सुन रहे हैं, कि यह सत्य है? कितने यह विश्वास करते हैं कि परमेश्वर का वचन अब भी सही है? यह तो केवल गलत अनुवाद हुआ है। क्या आप यह विश्वास नहीं करते? यह गलत अनुवाद किया गया।

153 अब, ना ही पीछे लूथर के दिनों में, ना ही पहले पौलुस के दिनों में, ना ही पीछे नूह के दिनों में और यह दूसरे गवाह, पंद्रह वर्ष पहले जब मैंने आपको बताया कि यह चीजें घटित होंगी; परन्तु आज टोपिका, केन्सास में, आज, इस घड़ी, इस मिनट, आइए हम परमेश्वर के वचन को दर्शाने के लिए पुकारे। उसने प्रतिज्ञा दी है कि यह अंत के दिनों में घटित होगा।

154 अब क्या आप विश्वास करते हैं कि वह अपना वचन पूरा करता है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] उसे परमेश्वर होने के नाते अपना वचन पूरा करना ही है। उसे यह करना ही है। उसे अपना वचन पूरा करना ही है।

155 अब, क्या उसने प्रतिज्ञा की है, "जैसा कि यह सादोम के—के दिनों में था, बिल्कुल यही चीज मनुष्य के पुत्र के आगमन पर होगी," जो कि अंत के दिनों में वो वैसे ही प्रगट होगा—होगा जैसे अब्राहम के दिनों में हुआ था और उसका वंश सदोम में? क्या उसने प्रतिज्ञा की है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] लूका 17वां अध्याय, 30वां पद, आप इसे पढ़ सकते हैं। अब, उसने यह प्रतिज्ञा दी है। उसने कहा यह होगा। यीशु ने कहा सारा वचन पूरा होना ही है, सब जो उसने प्रतिज्ञा की है।

156 क्या उसने मलाकी 4 में प्रतिज्ञा की है, कि वह अन्त के दिनों में क्या करेगा? और इसके तुरंत बाद आग आएगी, और अविश्वासियो को जला देगी, और धर्मी जन अविश्वासियो की राख पर चलेंगे। यह ठीक बात है। तो, हम ठीक यहाँ द्वार पर हैं।

157 अब, इसके पहले वह महान बाढ़ आती, उसने क्या प्रतिज्ञा की? नूह के—नूह के बाहर आने के पहले... या मूसा इस्राएल के बालको को निकालने आ रहा है, क्या हुआ? यीशु के आने के ठीक पहले, क्या हुआ?

158 यूहन्ना, हम उसे गवाही के लिए नहीं लाए। वह यहाँ हमारे पास है, परन्तु गवाही देने को नहीं, कैसे वह उन दिनो के धर्म विद्यालय से अलग बुलाया गया, कि जंगल के अंदर जाये, क्योंकि उसे पहचान को देना था, उसे मसीह की पहचान को देना था।

159 ठीक है, यदि हम उसके पिता के विद्यालय गए होते। कहा, "अब, मैं तुम्हारे पिता का बहुत अच्छा मित्र था। ओह, वह एक महान बूढ़ा व्यक्ति था। मैं उससे प्रेम करता हूं। और मैं जानता हूं... अब क्या भाई जोन्स वह मसीहा नहीं? अब तुम जानते हो, यूहन्ना, वह है।"

160 देखिए, उसने स्वयं को अलग किया। नौ वर्ष की आयु में, वह जंगल में चला गया, क्योंकि वह जंगल प्रेमी था। एलिय्याह का आत्मा उस पर था। और एलिय्याह का आत्मा; एलिय्याह नहीं था, वह एक मनुष्य था; यह परमेश्वर का आत्मा उस दिन के वचन के साथ था। और वह जंगल के अंदर चला गया। फिर जब वह बाहर आया, उसे—उसे मसीह की पहचान

को देना था, ना कि अच्छा मनुष्य, "जिस पर तू आत्मा को उतरते हुए देखे।" ना कि वह मनुष्य जो सबसे अच्छा शिक्षक था, ना कि वह मनुष्य जो कि राष्ट्र में उन दिनों का विशिष्ट व्यक्ति था, परन्तु, "जिसको पवित्र आत्मा स्वयं वचन की नाई प्रमाणित करे।" उसी वचन ने स्वयं वचन की पहचान को दिया।

161 अब अन्त के दिनों में उसने प्रतिज्ञा दी है। यीशु करेगा, कि वह कल, आज और सर्वदा एक सा होगा। क्या आप इसका विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

162 अब आईये एक क्षण के लिए अपने सिरों को झुकाये। विश्वास करे। संदेह ना करें। विश्वास करो।

[एक बहन अन्य भाषा में बोलती है, और फिर अनुवाद करती है। टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] प्रभु का धन्यवाद हो।

163 ठीक है। वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। आप इसे विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

164 अब उसने स्वयं को प्रमाणित करने के लिए क्या प्रतिज्ञा दी है? एक मनुष्य में, एक मानव देह, जैसा उसने अब्राहम के साथ किया, "जब मनुष्य का पुत्र... " यह मनुष्य का पुत्र होगा, ना—ना—ना—ना ही अब परमेश्वर का पुत्र; परमेश्वर का पुत्र एक मनुष्य के पुत्र में। यहेजकेल, 1ला अध्याय, 2रा पद, यहोवा ने यहेजकेल को मनुष्य का पुत्र कह कर पुकारता है, ठीक वही जो यीशु ने अपने आप को कहा। आप यह समझते हैं, इस सप्ताह की शिक्षा के द्वारा। अब, देखिए, मनुष्य का पुत्र क्या है? भविष्यव्यक्ता सम्बधित। मलाकी 4 क्या था? एक भविष्यवक्ता होने को। अंत के दिनों में वे क्या बातें घटित होनी थी? अब, उसने कभी नहीं कहा कब। उसने कहा यह होगा, और वे हुई। अब, आप, यदि वह अब भी परमेश्वर का पुत्र, मनुष्य का पुत्र; दाऊद के सिंहासन पर अन्त दिनों में प्रकट होने को तैयार है। दाऊद, दाऊद के पुत्र के समान। देखिए, ध्यान दे, तब यदि वह... यदि यह सही है, उसने प्रतिज्ञा दी है, वह वचन के लिए बाध्य है। वह उस वचन के लिए बाध्य है।

165 अब आप उसके वस्त्र के छोर को अपने विश्वास से छुए। और मैंने यह दावे किए हैं। यदि यह परमेश्वर की ओर से है, तो यह घटित होगा; यदि यह परमेश्वर की ओर से नहीं है, तो यह घटित नहीं होगा। और केवल यही

है जो सत्य है, देखिए यदि यह है, तो हम विश्वासियों में है या नहीं। अब आपको एक विश्वासी होना है, वैसा ही जैसा मैं एक विश्वासी हूं। आपको इसका विश्वास करना चाहिए कि यह सत्य है। यदि आप इसका विश्वास करते हैं, यह घटित होगा। अब प्रार्थना करे, आप में से प्रत्येक, अपने तरह से विश्वास करें।

166 आइए हम एक ओर से आरंभ करें, केवल एक ओर ध्यान केंद्रित करें। और बस, जो दीवार की ओर है मैं इसे चाहता हूं, कही तो, आप विश्वास करे। विश्वास करे। संदेह ना करें। केवल विश्वास करे, कहे, "प्रभु!"

167 अब मेरी ओर ना देखे, देखिए। आप मुझे देख सकते हैं, परंतु, देखिये, आपका विश्वास इससे आगे देखे। आप शारीरिक आंखों से मुझे देख सकते हैं, परन्तु उसे विश्वास की आंखों से देखें, कि वह वही वचन है। और—और उसने बस अपना मुखौटा बदला है, देखो, उससे जो देखा नहीं जा सकता, उसमें जो पूर्णत: घोषित किया है, वचन देहधारी हुआ। विश्वास रखें।

168 अब इधर–उधर ना हिले। बिल्कुल शांत रहे, श्रद्धा में। थोड़ी देर में आप घूम फिर सकते हैं; परन्तु बिल्कुल शांत रहे, श्रद्धा में।

169 अब, ये, यह क्या है? यह एक दान है। एक दान को, तलवार के समान नही लेना है, और जाकर, मारे और पीटे और खींचे। यह ऐसा नहीं है। एक दान आपको अपने आप को मार्ग से हटाना है, ताकि पवित्र आत्मा मानव देह में कार्य कर सके। यह कहने का यत्न ना करें, "परमेश्वर की महिमा हो, मुझे दान मिल गया! मुझे एक दान मिल गया, हाल्लेलुय्या!" आप इसे कभी नहीं पायेंगे। यदि आप केवल यह जानते हैं कि स्वयं को कैसे हटाए!

170 यह गियर में डालने के समान है। समझे? अविश्वास से स्वयं को विश्वास में बदले, बस थोड़ा सा झटका पीछे की ओर, कहते है, "ठीक है, मैं हमेशा सन्देह करने वाला था, परन्तु अब वास्तव में, मैं अब विश्वास करता हूं।" अब देखिए क्या होता है। बस एक बार करें और देखें क्या घटित होता है। केवल प्रार्थना करे।

171 और मैं संदेश से हट कर दान में जाने का यत्न कर रहा हूं। एक दान, वचन स्वयं को प्रगट करवा सके, इब्रानियों 4:12 के द्वारा—के द्वारा जो कहता है, "आर–पार छेदता है, हृदय के विचारों को जानता है।"

172 आप में जो कुछ भी गलत है, उसके लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें, और बस कहे, "परमेश्वर, मैं—मैं आवश्यकता में हूं। वह मनुष्य मुझे नहीं जानता, परंतु मैं जरूरत में हूं।"

173 परमेश्वर का पुत्र, यीशु मसीह के नाम में, परमेश्वर की महिमा के लिए, और परमेश्वर के वचन के अनुसार जिसे मैंने अभी प्रचारा है, मैं यहां हर उपस्थित आत्मा को अपने नियंत्रण में लेता हूं।

174 अब, कोई मतलब नहीं क्या होता है... यहां एक बस मिनट में कुछ तो हो सकता है। यहां आलोचक बैठे हुए है, और मैं बस सोच रहा था कुछ तो घटित होने को तय है। समझे? इसलिए अब वास्तविक आदरभाव में रहे। यदि कुछ विघ्न होता है, आप बस शांत रहे। आप पूरी शान्ती से बैठे रहे, उस व्यक्ति को जो वह कर रहा हैं करने दे। देखिए क्या घटित होता है। उन्हें चलने दे, और देखिए क्या होता है। आप देखेंगे कि वह परमेश्वर है या नहीं। आपको उसे संघर्ष में देखना चाहिए। आपने उसे चंगाई में देखा है; उस पर संघर्ष में ध्यान करे। शैतान अपने पूरे यत्न से करने की कोशिश कर रहा है। परन्तु बस—बस उसे एक बार करने दे, देखिए क्या होता है।

175 यहाँ एक दूसरा व्यक्ति बैठा हुआ है जो कि पीड़ित है, ठीक यहाँ नीचे अपनी पत्नी के साथ बैठा है। वह प्रार्थना कर रही है। वह उसके लिए प्रार्थना कर रहा है। यह अधीर अवस्था है, मुख पर अधीरता। वह एक भारी–भरकम महिला है। उसके पति ने सफेद कमीज पहन रखी है। महिला ने उसका हाथ अपने ऊपर रखा हुआ है। यह ठीक बात है। अपना हाथ उठाये, यदि यह सत्य है, यदि यही है जिसके लिए आप प्रार्थना कर रहे हैं। चिंता ना करे। यह रुक जाएगा। इसकी प्रतिज्ञा है, यदि आप विश्वास करें। आपने उसके वस्त्र को छू लिया।

176 यहां *इस* ओर एक महिला पीछे बैठी हुई है, वह स्त्री रोग से पीड़ित है। मैं आशा करता हूं... हे परमेश्वर! श्रीमती रीड, आप जानती हैं कि मैं आपको नहीं जानता। परन्तु यह सत्य है, है कि नहीं? आप प्रार्थना कर रही थी, "प्रभु, मुझ पर दया कर।" उसने की। अब यह आपको छोड़ने जा रहा है। आप अपने सम्पूर्ण ह्रदय से विश्वास करें। संदेह ना करें। आपके पास विश्वास है।

177 ठीक, यहाँ एक महिला बैठी हुई है, अन्त में एक साधारण अश्वेत टोपी पहने हुए। वह प्रार्थना कर रही है... यह परेशानी है। उसे परेशानी है। क्या

आप ज्योति को वहां उस पर नहीं देखते? देखा? उसने अपना सिर नीचे कर लिया। उसके घुटनों में परेशानी है। उसके घुटनों में चोट है। वह गिरी और घुटनों में चोट आयी। देखा? मैं उसे नहीं जानता; परमेश्वर यह जानता है। परन्तु यह सच है, महिला, क्या ऐसी बात नहीं है?

178 अपना हाथ अपने से अगली बैठी हुई महिला के ऊपर रखें; ठीक सीधे उसके पास आये। वह अधीर अवस्था से पीड़ित है। और यह अधीर अवस्था... उसे आंखों की परेशानी है। और आंखों का ऑपरेशन हुआ, जिससे यह हुआ। यह ठीक बात है, क्या ऐसा नहीं है? अपने हाथ उठाये। यदि आप विश्वास कर सकते हैं!

179 उस दूसरी महिला ने अपना हाथ सीधा उस पर रखा जो उसके पास है, उसे एक प्रकार से उत्तेजना हुई। परन्तु कारण, यदि आप करेगी... आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर मुझे बता सकता है कि आपकी क्या परेशानी है? यह आपके टखनों में है। यदि यह ठीक है, तो *इस* प्रकार से अपना हाथ हिलाये। ठीक है।

180 उसने जो कहा वह करेगा? "वह कल, आज और सर्वदा एक सा है।" क्या आप यह विश्वास करते हैं?

181 यहाँ एक व्यक्ति मेरे सामने बैठा है। वह गठिया रोग से पीड़ित है। वह वास्तव में... मैं नहीं जानता कि यह उसे पाने जा रहा है या नहीं। वह लगभग मेरी आयू का है। वह गठिया रोग से पीड़ित है। वह यहां से नहीं है। वह कैनसस नगर से है। क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपको चंगा कर सकता है? क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर मुझे बता सकता है कि आपका क्या नाम है? श्रीमान फ्रांसिस। आप अपने पूर्ण ह्रदय से विश्वास करते हैं। श्रीमान, वह आपसे इसे छिनने का यत्न कर रहा था। और वह—वह... आप सोच रहे थे कि मेरा मतलब किसी दूसरे व्यक्ति से है, परन्तु वह आप थे। और जब मैंने यह कहा, तो आपको ऊपर एक विचित्र अनुभूति हुई, बहुत ही मीठी और गर्म। यदि यह सत्य है, तो *इस* प्रकार हाथ हिलाये।

182 और आपकी पत्नी भी जो वहां बैठी हुई है, वह श्रीमती फ्रांसिस है। वह भी गठिया के रोग से पीड़ित है। और उनकी आंखों में भी परेशानी है, और कानों में। क्या यह ठीक बात है? ठीक है।

183 उनसे आगे जो महिला बैठी हुई है, ठीक अगली वहां पर, वह शिरा या

नसों के रोग से पीड़ित है। ठीक है। उसको अन्दरूनी कुछ गड़बड़ है, किसी प्रकार का... यह मूत्राशय की परेशानी है। उसे मूत्राशय में परेशानी है। वह भी कैनसस नगर से है। श्रीमती ग्रीग। यह ठीक बात है।

184 यदि मैं आप लोगों के लिए बिल्कुल अपरिचित हूं, *इस* प्रकार से अपना हाठ उठाएं, ताकि, मेरा मतलब है, इन लोगों से जिन लोगो को यहां बुलाया गया, अपने हाथों को उठाये, आप जिन्हें अभी बुलाया गया, यदि मैं अपरिचित हूं।

185 यह क्या है? वही परमेश्वर जो नीचे मनुष्य देह में आया, और मांस खाया और दूध पीया। और यीशु ने कहा... और मेरा मतलब, अब्राहम ने कहा, कि वह "एलोहीम" था, परमेश्वर देह में प्रगट हुआ। यीशु ने कहा, "जैसा यह उस दिन में था, वो यहोवा, मनुष्य का पुत्र फिर से भविष्यवक्ता के रूप में, जैसे वह था, अंत के दिनों में फिर से वापस आएगा," ठीक उसके पहले आप लोगो की देह बदल जायेगी। हम, नहीं कर सके... देखिए, साराह उस बालक को उस देह में ग्रहण नहीं कर सकी, क्या वह कर सकती थी? अब्राहम उसके शरीर में नहीं कर सका। उसकी देह को बदलना ही था। वैसे ही हमारी, ताकि पुत्र को ग्रहण करे। वचन को ले, और वह पुत्र है। यह वचन है। क्या आप इसका विश्वास करते हैं?

अब अपने सिरों को थोड़ी देर के लिए झुकाये।

186 पूर्णत:, अपने सम्पूर्ण ह्रदय से, क्या परमेश्वर अपने इन प्रतिज्ञाओं को देने में न्यायोचित है? क्या आप विश्वास करते हैं कि उसका वचन सत्य है? क्या आप विश्वास करते हैं कि यह गवाहियाँ केवल झूठी गवाहियाँ हैं, कि उनके पास आरंभ से ही विश्वास करने के लिए विश्वास नहीं है? आप जूरी याने निर्णायक समिति हैं और आप न्यायी है। हर निर्णायक समिति को निर्णय लेना होता है, न्यायी को अपना न्याय का फैसला देना होता है। क्या आपने अपने मस्तिष्क में निर्णय लिया है कि परमेश्वर का वचन, मरकुस 16, सत्य है? यदि आपने लिया है, तो अपना हाथ उठाये। मैं गवाहियो को दृश्य पर लाया हूं, जो उसी प्रकार से आए हैं जैसे कि यह अंत के दिनों में है, और सिद्ध किया है कि परमेश्वर का वचन सही था। और परमेश्वर के वचन की प्रतिज्ञाये इन अंत के दिनों में। और मैं यहां हूं, और आप यहां हैं, आपके सामने, उन बाकियों को सिद्ध करना, आप में से प्रत्येक। आप में से प्रत्येक बारी–बारी, इस प्रकार से बुलाया जा सकता है, यदि आप इसे

विश्वास करते हैं। इन लोगों से पूछे, इनसे बात करे, जहां पवित्र आत्मा ने बुलाया है।

187 "भाई ब्रन्हम, अब आप क्या कर रहे हैं?" मैं इससे अलग होने का यत्न कर है। यह भवन में सब जगह निरन्तर हो रहा है; आप इसे चमकते हुए देखते हैं।

188 देखिए, इससे, मैं आपसे इसका विश्वास करवाना चाह रहा हूं। परमेश्वर में विश्वास करे। इसका विश्वास करें। वह इसके लिखने में न्यायोचित है। उसने इसकी पुष्टि की है, इसे सिद्ध किया है कि यह सत्य है। उसने तीस वर्षो पहले इसकी भविष्यवाणी की है, और आज इसे सिद्ध किया है। उसने यह दो हजार वर्षो पहले कहा, और आज इसे सिद्ध किया। उसका वचन सत्य है। और परमेश्वर का हर वचन प्रेरणा से है, और यह सारा सत्य है। और मरकुस 16 ने कहा, "वे बीमारों पर हाथ रखेंगे और वे चंगे हो जाएंगे।"

189 निर्णायक समिति, इस दोपहर बाद आपका क्या निर्णय है? क्या यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है? अपने हाथ उठाये। [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] क्या पूर्णत: सहमत हैं कि मरकुस 16 सत्य है, यीशु मसीह का वचन, "यदि वे अपने हाथ बीमारों पर रखते है, तो वे चंगे हो जाएंगे"? अपने हाथ उठाये। ["आमीन।"]

190 तब, शैतान, तुझे जाना ही होगा। श्रीमान अविश्वासी, तेरा हमारे बीच में ज्यादा देर तक कोई काम नहीं है। श्रीमान संदेह, या श्रीमान अधैर्य, मैं चिन्ता नहीं करता कि यह कितना समय लेता है, यह घटित होने जा रहा है।

191 क्या आप मुझे विश्वासी कहते हैं? यदि हां तो आप अपने हाथ उठाये। मैं एक विश्वासी हूं। मैं आपके लिए प्रार्थना करने जा रहा हूं, आपके ऊपर हाथ रखता हूं। क्या आप विश्वास करते हैं कि आपके पास्टर जो यहां है विश्वासी हैं? अपने हाथ उठाये। कितने विश्वासी सेवकगण यहां पर हैं? अपने हाथ ऊपर उठाये।

192 मैं विश्वास करने वाले सेवकगणों से कहने जा रहा हूं कि एक मिनट के लिए यहां आए। पास्टर, क्या यह ठीक है? बिल्कुल ठीक। मैं चाहता हूं कि प्रत्येक सेवकगण जो इस भवन में है, जो एक विश्वासी है, यहां आकर मेरे साथ खड़ा हो कुछ क्षण के लिए। अब मुझे वास्तविक विश्वासी चाहिए। याद रखें, हम बनावटी विश्वासी नहीं चाहते। हम वास्तविक विश्वासी चाहते हैं।

यहां आकर और मंच पर खड़े हो। देखने जा रहे है कि अब कुछ घटित हो। "मैं विश्वास करता हूं कि आपने मुझे सत्य बताया है।"

193 अब याद रखना, बस कुछ मिनट बिल्कुल शान्त रहे, जैसे कि ये सेवकगण आ रहे हैं, मैं आपसे कुछ तो कहना चाहता हूं। अब क्या, क्या घटित होगा? आपकी प्रतिक्रिया, आपके प्रतिक्रिया से... कोई तो निकल गया। कोई बात नही। आपकी प्रतिक्रिया, यहां के बाद से, आपका निर्णय होगा। कितने यह विश्वास करते हैं, अपने हाथ उठाये।

194 अब हर कोई जिसके पास—जिसके पास एक—एक प्रार्थना पत्र है, यहां दाहिनी ओर आकर खड़े हो जाये, *इस* ओर आ जाये। आप, प्रत्येक जो गलियारे में है, अपने गलियारे में दाहिनी ओर खड़े हो जाये, अपने गलियारे में दाहिनी ओर।

195 वे जो दूसरी ओर वहां पर इधर, उन्हें इस तरह से *इधर* बाहर से आना होगा। तो ठीक है।

196 ये सारे प्रार्थना पत्रो के साथ *इस* ओर, *इस* तरह से इस गलियारे में खडे हो जाए; सीधे हाथ की ओर। यह बायें हाथ की ओर होगा। मुझे क्षमा करे। *इस* ओर यहाँ पर ये आपके दाहिने हाथ की ओर होगा। यह आपके बायें हाथ की ओर होगा। अब ठीक इस तरह से घूम कर आ जाये, अपनी पंक्ति को बनाये।

197 अब आप सारे सेवकगण यहां आये और दोहरी पंक्ति बनाये, यहां इस ओर, दो पंक्तियाँ ठीक इस तरह से ऊपर की ओर; ठीक *यहाँ* पर और ठीक *यहाँ* पर, आप में से हर प्रत्येक।

198 अब आप में से कितने विश्वास करते हैं? अपने हाथ उठाये, और कहे, "अब फिर से मैं परमेश्वर को दर्शाना चाहता हूं कि मैं पूरी रीति से मरकुस 16 सत्य है यह विश्वास करता हूं," अपने हाथ उठाये। "अब मैं यह स्वीकार करता हूं।"

199 कितने लोग वहां पर है जो प्रार्थना पंक्ति में नहीं होंगे, इन पंक्ति वालो के लिए प्रार्थना करेंगे, और हमारा सारा झुण्ड मिल कर एक विश्वासियों के समान प्रार्थना करेगा? अपना हाथ उठाये।

अब आइये प्रार्थना करें।

200 प्रभु यीशु, आप परमेश्वर है। आप महान "**मैं हूं**," है ना कि "मैं था," या "मैं होऊंगा।" आप "**मैं हूं**," है वर्तमान काल। आपके सामने कोई और सामर्थ नहीं टिक सकती। आप परमेश्वर है, और आपके समान और कोई नहीं। आप अपने वचनों की पुष्टी करने पर हैं। अपने इन गवाहों के द्वारा दोपहर बाद हम पर प्रमाणित किया है, इस मुकदमे में; यह निर्णायक समिति, और यह अदालत भी, और न्यायी जो की होंगे।

201 हमने निष्पक्ष मुकदमा किया। शत्रु ने जो कहा हमने वह लिया। वकील ने जो कहा हमने वह लिया। हमने लिया जो उसके गवाहों ने कहा। हम इसे बचाव पक्ष के गवाहों के साथ वापस लाए, और उसने यह सिद्ध किया कि परमेश्वर यह बयान देने में न्यायोचित है, क्योंकि वह इसे पूरा करता है, विश्वासियों के लिए, अविश्वासी के गवाहों से अधिक जो वह लाया। अब हम जानते हैं कि यह सत्य है। केवल यह स्थिति तब रहती है यदि लोगों ने इसका सही निर्णय किया, परमेश्वर का वचन सत्य होने के लिए।

202 प्रभु, प्रदान करे, हर कोई जो इन पंक्तियों से होकर निकले... पिता, ये लोग यहां खड़े hue है। मेरे जाने के बाद, कोई कह सकता है भाई ब्रन्हम ने इन पर हाथ रखे, परन्तु मैं लोगो को यह जानकारी देना चाहता हूं कि इन सेवकगणों को भी बीमारों पर हाथ रखने का उतना ही अधिकार है जितना किसी का भी होता है। उन्हें किसी विशेष समय तक की प्रतिक्षा नही करनी है सुसमाचार प्रचारक आए, परन्तु उनके अपने सेवक को उन पर हाथ रखने का अधिकार है। परमेश्वर, इसे प्रदान करें, हर व्यक्ति जो आज इन हाथो की पंक्ति में से होकर निकलता है; जो कि परमेश्वर के द्वारा बुलाया और अभिषिक्त किया हुआ है, कि बीमारों पर हाथ रखे।

203 हम जानते हैं कि हमारे हाथ पवित्र नहीं है, परन्तु हम अपनी ओर नहीं देखते। हम अपने बलिदान यीशु मसीह को देखते हैं, जो कल, आज और सर्वदा एक सा है, जो कि अब परमेश्वर के सिंहासन के समक्ष लहू बहा रहा है, हमें शुद्ध करने के लिए, कि अपने कार्यदेश को पूरा करे। प्रभु, प्रदान करें, कि हर पुरुष, महिला, लड़का, या लड़की, जो यहां से निकलता है, वह इस मंच से, आनंद करता हुआ जाए, वैसे ही जैसे वे सामान्य भले और ठीक और स्वस्थ थे। इसे प्रदान करें। इस न्याय समिति का निर्णय, जिन्होंने दावा किया कि यह था, वह न्यायोचित था, और होने पाए अब न्याय जो वे करते हैं, अब से लेकर उनकी कार्य शैली में हो। परमेश्वर,

हमारी सहायता करें, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

204 भाई रॉय बॉर्डर्स या कोई गीतों की अगुवाई करने वाला, यदि आप कुछ क्षण के लिए यहां आकर और अगुवाई करे। अब अपनी बंद आंखो के साथ।

205 अब ठीक अपनी पंक्ति में रहे, जैसे कि आपकी पंक्ति आती है। आप इधर से होते हुए आये। हमने इन में प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रार्थना की है। हमने इन्हें यहाँ पर क्यों रखा है, वह यह था। अब आप जो *यहाँ* पर है आपको *इस* ओर से आना है और इनके साथ इन लोगो के साथ पंक्ति में आना है, ये जो यहां पर हैं, देखिए। ठीक है। अब तब तक प्रतिक्षा करें जब तक कि वे... वे नही जाते तब तक प्रतीक्षा करें। जब तक *यह* पंक्ति बाहर नहीं आ जाती; तब आप, महिला। ठीक यहाँ, बहन, वहाँ प्रतिक्षा करे। देखिए, वहां प्रतिक्षा करे, देखो। संचालन करने वाले, आप में से कुछ वहां उनकी सहायता करे, देखिये। देखिए, आपको *यह* पंक्तियां उधर लानी है, *ये* पंक्तियां बाहर लानी है, और *यह* पंक्ति उनके पीछे–पीछे आये, देखिए, इधर से होते हुए।

206 अब यदि आप यह मानते हुए इसमें आ रहे हैं, अनुमान लगाते हुए, केवल अनुमान लगाते हुए, कि पंक्ति से बाहर निकलना है; आपको और खराब कर सकता है। परन्तु यदि आप विश्वास करते हुए यहाँ से होकर आते है, कि यह आप में से कुछ नहीं निकाल सकता है। कितने लोग जानते हैं कि यहां से, यह तय कर लेने का समय है? आप जो पंक्ति में है, कहते है, "यही है। मैं इसका विश्वास करता हूं। इस विषय में कोई शिकायत नही। अब ठीक अभी, समाप्त हो गया है। मैंने परमेश्वर के वचन को स्वीकार कर लिया है।" यदि आपने नहीं किया हैं, तो अब पंक्ति में ना आये। आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करे, और आए।

207 परमेश्वर ने स्वयं को वचन के द्वारा प्रमाणित किया है, और गवाह और मुकदमा, ठीक अभी उपस्थित है, "कल, आज और सर्वदा एक सा है।" केवल बीमारों पर हाथ रखने के अलावा कुछ नही बाकी है, और वे चंगे हो जाएंगे। यहां आपका पास्टर है। आप जानते हैं ये लोग विश्वासी हैं। ये आपके चरवाहे हैं।

208 और मैं आप पर यह प्रभाव नहीं डालना चाहता हूं कि मैं, ओरल रॉबर्ट, या कोई और, केवल इसे करने के लिए अभिषिक्त है। हर सेवक इसे करने के लिए अभिषिक्त है। हर विश्वासी, चाहे वह सेवक है या नही, इसे करने

के लिए अभिषिक्त है। हर व्यक्ति जो विश्वास करता है, उसे अधिकार है कि बीमारों पर हाथ रखे, और वे चंगे हो जाएंगे।

209 मैं यह नहीं कहता कि आपका पास्टर या कोई विचारो को परखने के दान को ले रहा होगा। उन्हें यह नहीं करना है; यह उनकी बुलाहट नहीं है। उनकी बुलाहट यह करने के लिए नहीं है। ये एक युग में एक होना है।

210 परन्तु—परन्तु हम पाते हैं, कि आप एक विश्वासी के समान बुलाए गए हैं। "उनके यह चिन्ह होंगे *उनके* पीछे–पीछे जायेंगे," ये किसी व्यक्ति की ओर इशारा नहीं करता, "वे जो विश्वास करते हैं।" अब आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करते है।

211 भाई रॉय, आप गीत में अगुवाई करें, *केवल विश्वास करो।* हर कोई प्रार्थना में रहे। सेवकगण, जैसे की वे लोग निकलते हैं, उन पर हाथ रखे। और बाकी के लोग और मित्रगण, जब आप यहां से निकलते हैं, आपके मस्तिष्क में तनिक भी संदेह ना हो; केवल पंक्ति में से होते हुए, निकल जाए, यहां से निकले, कहे, "यह तय हो गया।"

212 अब स्मरण रखें, इस मुकदमे में आप लोग निर्णायक समिति थे। आपने अपने हाथ उठाए है कि आपने निर्णय लिया है। सब समझते है, कहे, "आमीन।" [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] आपने निर्णय लिया था। अब इसके बाद से ये सिद्ध होगा कि आपने सत्य कहा या नहीं। आपका—आपका न्याय इसके बाद जो आप करेगे उसके द्वारा है यह पारित किया जाएगा। यह होगा। आप न्यायी और निर्णायक समिति होंगे। यदि आप इसे सच में विश्वास करते हैं, तो यह घटित होना है। यदि आप बनावटी विश्वास करते हैं, तो यह घटित नहीं होगा।

213 क्योंकि, यह वचन के द्वारा सिद्ध हुआ, परमेश्वर की उपस्थिति के द्वारा, हर चीज के द्वारा जो वहां पर है। क्या कुछ करने को बचा है? यदि वो इस दोपहर बाद ठीक यहां आये, क्या वह आपको चंगा कर सकता है? नहीं, नहीं। वह इसे पहले ही कर चुका है। समझे? वह सब कुछ... अब करने के लिए कुछ नहीं बचा है। उसने यहां स्वयं को वचन के द्वारा प्रमाणित किया है, हर चीज सिद्ध की है। आपको केवल यह करना है... आप निर्णय ले, आपने मुकदमा सुना है, आपने निर्णय को दिया है, अब आकर और अपने निर्णय को दर्शाए। आमीन। परमेश्वर आपको आशीष दे।

214 ठीक है। [भाई बार्डर्स *केवल विश्वास करो* गीत को गाते हुए अगुवाई करते हैं—सम्पा।]

215 भाईयों, अब प्रार्थना में रहे। और हर एक संचालन करने वाले, लोगों को इसमें से होकर आने दे। अब थोडा और पास–पास खड़े हो जाये। हर व्यक्ति उस बालक को छुए, हर एक छुए। हर व्यक्ति उन लोगों को छुए, अब विश्वास के साथ। अपनी आंखें बंद करे। [भाई ब्रन्हम और सेवकगण प्रार्थना करते हैं और अपने हाथ लोगों पर रखते हैं। टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

केवल विश्वास करे,
सब चीजे संभव है, केवल विश्वास करे;
केवल विश्वास करे, केवल विश्वास करे,
सब बाते संभव है, केवल विश्वास करे।

216 अब क्या आप इस प्रकार से गा सकते हैं, "अब मैं विश्वास करता हूं, मैं इसी समय विश्वास करता हूं"? क्या आप? अपना हाथ उठाये, और कहे, "मैं वास्तव में इसका विश्वास करता हूं।" "विश्वास करने वालो के ये चिन्ह होगे!"

सब बाते संभव है, अब मैं विश्वास करता हूं;
ओह, अब मैं विश्वास करता हूं, अब मैं विश्वास करता हूं,
सब बातें संभव है, अब मैं विश्वास करता हूं।

217 कुछ समय पहले, पंद्रह वर्षो पहले, मुझे स्मरण है एक रात्री मुझे एक अस्पताल में बुलाया गया, एक लड़के ले लिए जो गले के रोग से मर रहा था। वहां... हृदय की स्थिति बुरी थी। और पिता सभाओं में आता रहा, कि—कि मुझे लेकर लड़के के लिए प्रार्थना को ले जाए। और लड़का लगभग पंद्रह, सोलह वर्ष का था। और मैं बहुत ही व्यस्त था, मैं यह नहीं कर सका। और अंतत: में... यदि—यदि—यदि—यदि आप एक के लिए ले जाए, तो फिर दूसरे को, आप जानते हैं। इसलिए पिता बस रुका रहा, समय होने तक रुका रहा। अंतत:, एक रात्री सभा के पश्चात, मैं अस्पताल गया। तो, डॉक्टर ने मुझे बताया कि मैं अंदर नहीं जा सकता। उसने कहा, "क्योंकि, उस—उस लड़के को डिपथीरिया या गलघोट हो गया है, और आप एक विवाहित पुरुष है और तो आप उन विषाणुओं को लेने भीतर नहीं

जा सकते।"

218 तो, मैंने उससे पूछा, "कृपया मुझे थोड़ा सा अंदर जाने दे।" वह व्यक्ति कैथोलिक था। और मैंने कहा, मैंने कहा, "क्या आप एक मसीही है? "

उसने कहा, "मैं कैथोलिक हूं।"

219 मैंने कहा, "यदि एक याजक यहां खड़ा हुआ होता और लड़के के लिए कलीसिया के अन्तिम संस्कार को लाने—लाने की कोशिश करता, तो आप यह स्वीकार करते? "

220 उसने कहा, "वह अलग बात है। वह याजक है। आप एक विवाहित पुरुष है।"

मैंने कहा, "यदि मैं कागज पर हस्ताक्षर करके, पूरी जिम्मेदारी लू? "

उसने कहा, "श्रीमान, मैं यह नहीं कर सकता।"

221 और मैंने कहा, "कृपा करके।" मैंने यह कहा, "मैं उन लोगों के लिए उतना ही महत्वपूर्ण हूँ जितना एक याजक आपके लिए होता है।"

222 अंत में, उसने मुझे सफ़ेद गुप्त संगठन के समान वस्त्र पहनाये, उस सारी सफेद चीजों के साथ और मुझे अंदर ले गया, और मैं लड़के के पास गया। वह दो या तीन दिनों से लेकर बेहोश था। उसका ह्रदय बस धीरे–धीरे धड़क रहा था। मैं भूल गया वह सांस क्या है; बहुत थोड़ी–थोड़ी कठीनाई से, धड़क रही था। और बूढ़े माता और पिता वहां पर खड़े हुए थे।

223 और मैंने घुटने टिकाए, और साधारण सी छोटी प्रार्थना की, उस पर हाथ रखे, मैंने कहा, "प्रभु यीशु... " मैंने इस वचन का प्रयोग किया। "आपने कहा है, 'विश्वास करने वालो के यह चिन्ह होंगे।' यहां पिता और मां हैं, यदि वे लगातार मुझसे उस लड़के पर हाथ डालने के लिए आग्रह नहीं करते यदि ऐसा विश्वास उन्होंने ना किया होता। और, प्रभु, तो मैं यहाँ दिखावे के लिए नहीं आता। मैं विश्वास करता हूं कि जो मैंने कहा और सिखाया वह सत्य है।" और मैंने कहा, "यीशु मसीह के नाम में छोटे लड़के को मैं आशीषित करता हूं; वह जीवित रहे।"

224 और जब मैं उठा तो, बूढ़े पिता और माता एक दुसरे से गले लगे, और कहा, "क्या यह अद्भुत नहीं, माँ! क्या यह अद्भुत नहीं है!" लड़के में जरा भी बदलाव नहीं आया था; बस वही पड़ा हुआ था। और मैंने—मैंने उनकी ओर देखा।

225 और वह छोटी नर्स वहां खड़ी हुई थी, वह विशेष नर्स थी, एक स्नातक, और वह वहां उस लड़के पर ध्यान रखे हुई थी। और उसने माँ से कहा, उसने कहा, "आप इस तरह का व्यवहार कैसे कर सकती है, और जानते हुए कि आपका लड़का मर रहा है? "

226 और बूढ़ा पिता, जैसा कि वह लग रहा था, ओह, मैं समझता हूं, वह अट्ठावन, या साठ वर्ष का था, उसने उस नर्स के कंधे पर एक बूढ़े पिता के समान हाथ रखा। उसने कहा, "बेटी," उसने कहा, "ये लड़का मर नहीं रहा है," उसने कहा।

227 "श्रीमान," कहा, मैं नहीं जानता कि यह क्या था, एक प्रकार का कार्डियोग्राम या ह्रदय की ध्वनी को दिखाने वाला यंत्र या कुछ तो, कहा, "उसकी—उसकी श्वास इस बीमारी से इतनी धीमी हो गई थी, ये इतिहास में नहीं जाना जाता है, यदि ये यहाँ तक इस स्थिति में चला जाता है, तो यह फिर कभी वापस नहीं आएगा।"

228 और बूढ़े वृद्ध व्यक्ति ने अपनी आखो को रगडा, और उसकी ओर देखा। मैं उसे कभी नहीं भूलूंगा। उसने कहा, "प्रिय, तुम उस यंत्र की रेखा–चित्र को देख रही हो। तुम्हें इसे देखने के लिए प्रशिक्षण दिया गया है। मैं परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा दी है उसे देख रहा हूं। 'वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, और वे चंगे हो जाएंगे।'" आज वो लड़का विवाहित है और तीन बालक हैं, अफ्रीका में एक मिशनरी है। यह निर्भर करता है कि आप क्या देख रहे हैं।

229 अब यहां कोई हो सकता है, जो यहां पर हो, जिसके पास प्रार्थना पत्र ना हो। मैंने वहां पुत्र से पूछा था। उसने कहा, "इसमें कोई संदेह नहीं, परन्तु क्या है, पिताजी, वहां बहुत सारे पीछे लोग है जिन्हें प्रार्थना पत्र नहीं मिला।"

230 तो फिर यहां पर कितने विश्वासी है? अपने हाथों को उठाये। जब हम गा रहे है क्या आप यह करेंगे, "अब मैं विश्वास करता हूं"? अब परमेश्वर आपके लिए भला है। एक विश्वासी के नाते क्या आप नहीं करेंगे... इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह किसका हाथ है, जब तक यह विश्वासी है। समझे? क्या आप अपने हाथ एक दूसरे पर रखेंगे, और हम इस गीत को मिलकर गाएंगे, "अब मैं विश्वास करता हूं।" और जब तक मैं आपसे ना मिलूं, परमेश्वर आपके साथ हो!

अब मैं विश्वास करता हूं,

यह सही है, अपने आस–पास किसी पर अपना हाथ रखे।

अब मैं विश्वास करता हूं,
सारी बातें (कोई मतलब नहीं क्या गलत है, सारी बाते संभव है।) संभव है... (यीशु के नाम में, इन्हें आशीष दें।)
अब मैं विश्वास करता हूं, ओह, अब... ("अब मैं मजक नहीं कर रहा हूं। नहीं, यह, अब मैं करता हूं।")
सारी बाते संभव है, ओह, अब मैं विश्वास करता हूं।

231 अब सब जो इसका विश्वास करते हैं, अपने हाथों को *इस* प्रकार से उठाये, "अब मैं इसका विश्वास करता हूं।" परमेश्वर आपको आशीष दे।

जब तक हम मिले!... मिले!
जब तक हम यीशु के चरणों पर मिले; जब तक हम मिले!
जब तक हम मिले; जब तक हम मिले!
परमेश्वर आपके संग हो जब तक हम फिर मिले!

अब अपने झुके हुए सिरों के साथ।

जब तक हम...

232 होने पाए परमेश्वर आपके साथ हो, वास्तव में, आपके सामने मृत्यु की धमकी की लहरों को प्रहार करे, आपको विजय से विजय की ओर ले जाए। किसी दिन, होने पाए हमारे शरीर बदले और उसकी अपनी महिमामय देह के समान हो जाए, जहां हम बीमारों के लिए प्रार्थना नहीं करेंगे। तब तक, होने पाए परमेश्वर आपके संग हो, जब तक हम मिले। [भाई ब्रंहम गुनगुनाते हैं—सम्पा।]

जब तक हम मिले!
परमेश्वर आपके साथ हो जब तक हम फिर मिले!

233 अब हम अपने सिरों को अन्तिम प्रार्थना के लिए झुकाये। कौन प्रार्थना करने जा रहा है? [कोई कहता है, "भाई गिब्सन। भाई गिब्सन।"—सम्पा।] अब भाई गिब्सन, जबकि हमने अपने सिर झुका रखे हैं।

64–0621 मुकदमा
मुन्सीपल ऑडीटोरियम
टोपेका, केंसास यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org